जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 4 अप्रेल, 2024

कम डाउन पेमेंट ₹4999^ | EMI ₹2699^ से शुरू | कम ब्याज दर 9.99%* से शुरू | Hero GoodLife अतिरिक्त कैश डिस्काउंट ₹2000 तक | INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY | 6000^^ km or Months Service interval | टोल फ्री 1800 266 0018 | Hero FINCORP | IDFC FIRST Bank

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **As per the cumulative dispatch number till March 2023. #Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22). ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. ~On successful redemption of Hero GoodLife Sales Voucher. Offer valid for eligible Hero GoodLife Members only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. ^^Terms and Conditions apply. ~Starting price of Splendor+ Drum Brake Kick Start in Jaipur.

अधिकृत डीलर: सीकर: देव हीरो, आरटीओ चौक के पास, 9289922874, **मटोरिया हीरो,** 9289922392, **झुन्झूनूं: अजय हीरो,** 9289922203, **हैप्पी मोटर्स,** 9828580799, **चुरू: महालक्ष्मी हीरो,** डीटीओ ऑफिस के पास, 9289922872, **अधिकृत सर्विस पाइंट: सीकर: श्री श्याम मोटर्स** (चाला) 9602616888 **चिड़ावा: इन्डीका मोटर्स,** 9414080651, **चुरू: अशोका मोटर्स,** 8949434435, **सरदारशहर: नामदेव ऑटोमोबाईल,** 9672929401, **सुजानगढ़: तोदी मोटर्स,** 9413177555, **फतेहपुर शेखावटी: जय भवानी मोटर्स,** 8107115421, **नवलगढ़: गणपति ऑटोमोबाईल,** 9414491842, **श्री माधोपुर: श्री गुरूजी मोटर्स,** 9928404786, **लक्ष्मणगढ़: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल,** 9413858378, **अजीतगढ़: श्री त्रिवेणी मोटर्स,** 9414323389, **रतनगढ़: जय आदित्य ऑटोमोबाईल्स,** 9602910100, **पिलानी: प्रदीप मोटर्स,** 9602764951, **नीम का थाना: बन्सिया ऑटोमोबाईल्स,** 8003671799, **सुल्ताना: नितिन मोटर्स,** 8696332222, **राजगढ़: सुबेश एन्टरप्राइजेज,** 9116588885, **गुढ़ा गौड़जी: शेखावाटी मोटर्स,** 9529363953. **(Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) चुरु: महालक्ष्मी हीरो** 9289922872, **झुन्झूनूं: अजय हीरो,** 9289922203

विचार बिन्दु

जिस तरह घोंसला सोती हुई चिड़िया को आश्रय देता है उसी तरह मौन तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है। –रवींद्रनाथ ठाकुर

चुनाव प्रचार अभियान में मोल-तोल के बोल दिखाएंगे अपना असर

समूचा देश अब चुनावमय हो गया है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी नित गठबंधन 400 पार का नारा बुलंद कर चुनाव अभियान को धार दे रही हैं तो दूसरी और विपक्षी गठबंधन इंडी भाजपा को सत्ताच्युत करने का लक्ष्य लेकर चुनाव अभियान को गति दे रहे हैं। पहले चरण के नामांकन का कार्य पूरा होने और दूसरे चरण के लिए नामांकन में तेजी के साथ ही अब चुनावी मोर्चे पर सभी दल जुट गए हैं। एक और तीसरी बार भी मोदी सरकार का लक्ष्य है तो दूसरी ओर विपक्ष मोदी सरकार को सत्ता से हटाने का लक्ष्य लेकर चुनावी जंग में आमने-सामने आ डटे हैं। दोनों ही पक्षों के पास जनता यानी कि मतदाता को अपने पक्ष करना और मतदाता का वोट अपने पक्ष में करने की बड़ी चुनौती है। अब चुनावी माहौल में सबसे बड़ी चुनौती मोल-तोल के बोल की हो गई है तो दूसरी ओर अपना पक्ष जनता के सामने रखने की हो गई है। एक बात साफ होनी चाहिए कि जनसभा या जनता से किसी भी माध्यम से संवाद की स्थिति में प्रचारकों द्वारा बोले गए एक एक शब्द का अर्थ होगा और विपक्षी पक्ष प्रचारक द्वारा बोले गए शब्दों का कहीं अपने अभियान का इक्के का पत्ता नहीं बना लें यह बड़ी चुनौती होगी। लोकसभा के पिछले दो चुनाव इसके उदाहरण है। जब नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणियां ही मोदी और भारतीय जनता पार्टी के लिए वरदान बन कर के सामने आई। इसलिए जनता के बीच बोलते समय काफी कुछ सोच-समझ कर बोलना होगा नहीं तो अर्थ का अनर्थ होने में देरी नहीं लगेगी।

राजनीतिक दलों के चुनाव अभियान के दौरान रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस, गारटियों की चर्चा ही रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। जनता से जुड़े मुद्दों को आम जनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दें महत्वपूर्ण होते थे पर पिछले चुनावों से यह मुद्दें वोट में बदल नहीं रहे हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार का दौर चल पड़ा है और मजे की बात यह है कि यह नकारात्मक प्रचार उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसिंयों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली में जो पैनापन दिखना चाहिए था वह पैनापन दिखाई नहीं दिया। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा कम हो या ज्यादा लगभग सभी दलों ने लिया है। सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है।

रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनन की है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल-तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह सिरे नहीं चढ़ पाया। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहली बात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार-बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार-बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नही ंदेने से लोगों में केजरीवाल के पद लोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है। अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विप़क्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं। इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा।

साफ है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोपों का जमाना अब जा चुका है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को रणनीति में बदलाव करना होगा।

दरअसल विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में भुनाने में महारत हासिल हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनन की है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल-तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा। चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। सौ बातों की बात यह है कि चुनाव अभियान के दौरान वक्ताओं को सोच समझ कर बोलना होगा ताकि कोई भी पक्ष अर्थ का अनर्थ ना हो सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

इलैक्ट्रोरल बॉण्ड्स का मायाजाल

महावीर सिंह

इलेक्ट्रोल बांड्स और पार्टियों के चन्दे-धंदे का मायाजाल

दो आम आदमी गांव की चाय की दुकान पर चाय पर चुस्की लेते हुए इलेक्ट्रोल बांड्स पर चर्चा में उलझे हुए थे। घुमक्कड़ भी उनकी बातों में रुचि लेकर रुक गए।

एक बोला, क्यों भाई, यह ईलेक्ट्रोल बांड्स का झमेला कुछ समझ में आया क्या? अरे नहीं भैया, बड़े-बड़े धुरन्दरों के समझ में नहीं आ रहा, अपने क्या समझ में आएगा। देखो सुप्रीम कोर्ट ने फैसला तो बड़ा ही किया है। यह साफ हो गया कि किस को कितना पैसा किस सेठ या धंदेबाज नें दिया है।

लेकिन यह बताओ, यह बड़े-बड़े उद्योगपति, व्यापार वाले लोग और वो भी जो इस श्रेणी में दूर-दूर तक नही, वे इतना पैसा कहां से लाकर, इन पार्टी वालों देते है और क्यों देते है?

दूसरे ने कहा, बात में दम है, जिसका व्यापार कोई खास नफे में नहीं वे भी सैंकड़ो करोड़ चंदा दे सकते है, यह बात अपनी मोटी बुद्धि में तो नहीं बैठती।

एक कुछ ज्यादा पढा-लिखा सा बंदा भी चाय का ऑर्डर देकर उनकी चर्चा में शामिल हो गया। उसने कहा देखो एक सट्टेबाज भी हजार-पांच सौ करोड़ का चंदा दे देता है और वह भी जिसकी हिसाब की किताबें इस राशि का सौवाँ हिस्सा भी लाभ नहीं दिखा रही।

उनकी चर्चा रुचिकर होती जा रही थी– इसमें चौथा भी जुड़ गया। उसके तो यही नहीं समझ में आ रहा था कि आखिर यह बड़े सेठ लोग इन मुफ्तखोर पार्टियों को इतना चंदा देते ही क्यों है?

उनमें से ही एक ने कहा, साफ है या तो व्यापार में कोई बड़ी रियायत लेंगे या व्यापार फैलाने की कोई योजना स्वीकार करवाएँगे, कोई हजारों करोड़ों का ठेका ले लेंगे और यह सब, जो चंदा देंगे उसका सो गुना कमा लेंगे। यह भी हो सकता है कि कोई बड़ा घपला कर रखा होगा, सो उसे दबाने या उस से बाहर निकलने का रास्ता बनाया होगा।

उनमें से एक नें कहा 5, 4 दिन पहले वह बस में यात्रा कर रहा था और एक अखबार, टीवी का पत्रकार सा लगने वाला आदमी बता रहा था:-

बहुत से बड़े लोगों का पैसा बाहर देशों में होता है। यह काला धन होता है क्योंकि देश के भीतर किसी बही खाते में उसका हिसाब नहीं होता। देश में ही कुछ लोग ऐसी अंडा कम्पनियां बना लेते है जिनके पास नाममात्र का धन्दा होता है। बड़े धंदे वाले लोग, अपने ऐसे दो नम्बर के या काले धन को इन कम्पनियों में भेजते है, और ऐसी कम्पनियों से बांड खरीदवा देते है। इस प्रकार जिन कम्पनियों के धन्दा मंदा है या है ही नही, वे भी राजनीतिक पार्टियों को सैंकड़ो करोड़ के बांड खरीद कर दान दाता बन सकती है।

साथ वाले ने पुछ लिया कि इनको तो ईडी, सीबीआई, इनकमटैक्स वाले बड़ी आसानी से कभी भी पकड़ सकते है। यह सब संस्थाएँ सरकारों के इशारे पर ऐसे काम करती है। पत्रकारनुमा आदमी ने कहा– बताओ, कोई सोने के अंडे देने वाली मुर्गियों को मारता है क्या? दान में मिली बछिया के दांत कोई गिनता है क्या? बस यह ऐसा ही मिलीजुली का खेल है।

एक ने चर्चा को नया मोड़ दिया--कुछ भी हो, एक बड़ी पार्टी का कहना है कि पहले तो, अधिकतर खुल्लमखुल्ला ही काला धन चुनावी चंदे में चलता था किंतु अब किसी भी रास्ते से हो,चंदे में सफेद धन ही मिल रहा है। काले धन से राजनीति करने वालों की दुकाने बन्द।

उनमें से फिर कोई बोला---दिल को तसल्ली देने के लिए ख्याल अच्छा है। अरे मेरे भोले भाई, यह बांड्स से मिले 10, 20 हजार करोड़ रुपए से ही पार्टियों के बड़े नेता महाराजों जैसी जिंदगी जी ढकते हैं क्या? क्या इतने से पैसे से चुनाव लड़ लिए जाते हैं क्या?

कुछ बड़े दानिशमंद लोगों का कयास है कि भारत के लोकसभा चुनाव में कम से कम एक लाख करोड़ रु से कम खर्च नही होता। इसका 70, 80 प्रतिशत तो काले धन के रास्ते ही आता है। इस से भी अधिक, हमारे महान लोकतांत्रिक देश में तो हर साल छ महीने चुनाव चलते ही रहते है, उनके लिए भी पैसा चाहिए। सरकारें बनाने-बिगाड़ने के लिए भी तो टनों पैसे की जरूरत पड़ती है--साथ वालों को खुश करने में, दूसरी तरफ वालों को ललचाने के लिए!!!

किसी दूसरे ने भी प्रश्न किया--यह ईडी, सीबीआई, आईटी विभागों के द्वारा, राज्यों के विभागों के द्वारा सर्च-रेड आदि करने के बाद कुछ कम्पनियों नें चंद दिया, बांड्स खरीद कर। यह क्या बात हुई, यह तो सीधे-सीधे सरकारों के द्वारा जबरन उगाही हुई न?? ऐसे लोगों ने जो पार्टी सरकार में बैठी है उसके साथ विपक्षियों को भी बांड्स से चंदा दिया है--क्यों? यह बात कुछ समझ से परे है?

किसी ने यों ही थोड़ी अलग बात उछाल दी कि यह समझाओ सरकार कहीं की हो, किसी दल की हो, सारे भ्रष्टाचारी, विपक्षियों में ही क्यों दिखते है?? क्या सत्ता पक्ष वाले सारे रामजी महाराज के नए अवतार हैं???

पहले वाले नें, बातों का पुराना सिलसिला आगे बढाते हुए समझाया--सरकारी पक्ष को ज्यादा दे दिया, सो वे खुश--कमजोर विपक्ष वालों को कुछ भी कुछ दे दिया, इस से आगे के रास्ते खुले रहते है। देने वाला जनता है सत्ता पर किसी एक ही पार्टी की बपौती थोड़े ही न है,जनता कब पलटा मार ले कोउ न जानत। वो एक पुराना दोहा है न---पुरुष पुरातन की--- (सत्ता) क्यों न चंचला हो---।

तो फिर, यह रैलियों, सभाओं में नेताओं की गर्जन-तर्जन यों ही है कि नोट बंदी से काला धन समाप्त, बाहर जितना पैसा था वह सब देश में आ गया भ्रष्टाचारयो की दुकान बंद, उनका घर जेल। ओर क्या ऐसा सारा कला धन देश में व्यापार, उद्योग में लग गया जिस से लाखों न लाखों को रोजगार मिल गया?

फिर एक ने कहा, यह सब नारे, तमाशे है और इन तमाशों के बल पर ही वोटों की फसल काटी जाती है। आगे नई लूट के रास्ते बनाए जाते है। कोउ पार्टी दूध की धुली नहीं, हमाम में सब के सब नंगे है। हॉं, जो पार्टी बड़े पैमाने पर तमाशे दिखाएगी, जनता उस पर लटट्टू हो जाए, इसकी संभावनाएं ज्यादा है।

बातों को विराम देते हुए दूसरे नें कहा, देख भाई, इन बातों में अपने लिए कुछ नहीं रखा। अपने को तो छोटे वाले नेताओं के साथ रैलियों में जाना है, तमाशा देखना। हो सकता है दिहाड़ी मिल जाए वरना मुफ्त बस यात्रा और पूरियों के पैकेट में कोउ कमी नहीं। नेता लोग, वोट पड़ने तक फ्री खाने के ढाबे चलाते है खाना खाओ, मोज करो। कुछ कुछ के लिए पीने की भी व्यवस्था करते है, पीओ और नारे लगाते रहो!!!

भाई लोगो, वोट वाले दिन वोट जरूर डालना और सोच समझ कर डालना। हो सके तो यह भूल जाना कि ज्यादा मुफ्त बस यात्रा किसने करवाई, पूरियों के पैकेट किसने दिए, तमाशे किस के ज्यादा मनोरंजक थे, जहां आपका जमीर आपके वर्ग हित पूरे होने की ज्यादा सम्भवनाओं का इशारा करे उसको ही वोट डालना। "नेताओं, सेठों, उद्योगपतियों की तो वे जानें किन्तु आम आदमी के हक हकूक तो संविधान से ही है और उस से ही सुरक्षित है, रहेंगे"

"इस लिए जय संविधान, जय लोकतंत्र--यही देश की विश्व में सही पहचान"।

महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

विश्व आवारा पशु दिवस पर विशेष

पशु कल्याण के प्रति सच्ची करुणा हो

मरियम अबु हैदरी

भारत की हलचल भरी सड़कों पर, दैनिक जीवन की उथल-पुथल के बीच, एक मूक पीड़ा मौजूद है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता है – आवारा जानवरों की दुर्दशा। जबकि विश्व आवारा पशु दिवस उनके संघर्षों की मार्मिक याद दिलाता है, यह पहचानना आवश्यक है कि यह मुद्दा जागरूकता के एक दिन से अधिक का है। यह एक व्यापक, जारी संकट है जो समाज के सभी क्षेत्रों से तत्काल ध्यान देने और ठोस कार्रवाई की मांग करता है। जैसे-जैसे हम अपने शहरों की भूलभुलैया वाली गलियों और हलचल भरी सड़कों पर घूमते हैं, आवारा कुत्तों, बिल्लियों, गायों और असंख्य अन्य जानवरों की उपस्थिति को नजरअंदाज करना असंभव है जो हमारी सड़कों पर भोजन और आश्रय की तलाश में घूमते हैं। फिर भी, उनकी प्रतीत होने वाली अहानिकर उपस्थिति के पीछे उपेक्षा, दुर्व्यवहार और उदासीनता की एक कठोर वास्तविकता छिपी हुई है।

इस संकट की जड़ सामाजिक-आर्थिक कारकों, विधायी कमियों और जानवरों के प्रति मीडिया-प्रेरित दृष्टिकोण के जटिल जाल में निहित है। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 जैसे कानून के अस्तित्व के बावजूद, जिसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से जानवरों के कल्याण की रक्षा करना है, प्रवर्तन तंत्र बेहद अपर्याप्त हैं। छह दशकों से अधिक समय से, कानून का यह महत्वपूर्ण हिस्सा अधर में लटका हुआ है, नौकरशाही जड़ता और राजनीतिक उदासीनता के कारण सकारात्मक बदलाव लाने की इसकी क्षमता बाधित है।

इस विश्व आवारा पशु दिवस पर, एक कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना अनिवार्य है: भारत में आवारा जानवरों की दुर्दशा सिर्फ कुत्तों से भी आगे तक फैली हुई है। इस खेदजनक स्थिति में विभिन्न प्रजातियाँ शामिल हैं, जो एक प्रणालीगत विफलता को उजागर करती है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। हिंदू धर्म में जानवरों से जुड़े गहरे सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए, कोई उम्मीद करेगा कि भारत अहिंसा की भूमि के रूप में अपनी प्रतिष्ठा की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा। किसी तरह पशु कल्याण उपायों का चयनात्मक अनुप्रयोग भारतीय समाज के भीतर एक परेशान करने वाले पाखंड को रेखांकित करता है। नसबंदी के प्रति हमारा चयनात्मक दृष्टिकोण एक गहरे पाखंड को रेखांकित करता है। रेबीज के कथित खतरे के कारण हम कुत्तों और बिल्लियों को प्राथमिकता देते हैं, फिर भी दूध उत्पादन की आड़ में गायों के शोषण पर आंखें मूंद लेते हैं। हमारी पाठ्यपुस्तकों में इस धारणा को चुनौती दी जानी चाहिए कि 'गायें हमें दूध देती हैं'।

वास्तविकता स्पष्ट है: सबसे जघन्य दुर्व्यवहार गायों के बीच होता है, जिन्हें पवित्र माना जाता है फिर भी हिंसा के जघन्य कृत्यों का सामना करना पड़ता है। नर बछड़ों को त्याग दिया जाता है या मार दिया जाता है, जबकि जानवरों की स्वायत्तता की परवाह किए बिना आक्रामक कृत्रिम गर्भाधान को मंजूरी दे दी जाती है। इन प्रथाओं में हमारी सरकार की मिलीभगत निंदनीय है, फिर भी 'कुत्ते के काटने' और 'कुत्ते के आतंक' जैसी अधिक सनसनीखेज खबरों के शोर के बीच इसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

संसद के भीतर पशु अधिकारों की वकालत करने वाली मेनका गांधी जैसी उल्लेखनीय शख्सियतों और जॉन अब्राहम जैसी मशहूर हस्तियों द्वारा 'नो मोर 50' अभियान जैसी पहल किए जाने के बावजूद निष्क्रियता देखना हैरान करने वाला है। क्या यह सब केवल प्रतीकात्मक है, ठोस कार्रवाई के बिना चिंता का दिखावा है? और कुत्तों के लिए पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में क्या? शुरुआत में जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से की गई नसबंदी की विधियां जानवरों की कीमत पर व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने वाली पैसा कमाने वाली योजनाओं में बदल गई हैं। यह भ्रष्टाचार उच्चतम स्तर से लेकर बहुत नीचे तक व्याप्त है, व्यक्तिगत लाभ के लिए निर्दोष जानवरों का चारे के रूप में शोषण करता है। अंतर्निहित मुद्दा कानून से परे फैला हुआ है – यह राजनीतिक इच्छाशक्ति और नैतिक अखंडता का मामला है। पशुपालन जैसे विभागों में प्रमुख पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को पशु कल्याण को संबोधित करने के लिए अपर्याप्त रूप से सुसज्जित क्यों किया जाता है? उन लोगों की आवाज़ कहाँ है जो जानवरों को समझते हैं और उनके प्रति सहानुभूति रखते हैं, नीति निर्धारण क्षेत्रों में उनके अधिकारों की वकालत करते हैं?

डेयरी उद्योग के भीतर प्रणालीगत भ्रष्टाचार के बजाय छिटपुट घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करने से मीडिया की आत्मसंतुष्टि इस मुद्दे को और बढ़ा देती है। अवैध डेयरियाँ बेधड़क चल रही हैं, सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरे में डाल रही हैं और लाभ के लिए जानवरों का शोषण कर रही हैं। दुरुपयोग के इस चक्र को जारी रखने में उनकी भूमिका के लिए सरकारी एजेंसियों और निर्वाचित राजनेताओं और गौशालाओं दोनों को जवाबदेह बनाने का समय आ गया है।

जैसा कि शाहरुख खान ने फिल्म 'जवान' में स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है, हमें उन लोगों की जांच करनी चाहिए जिन्हें हम सत्ता सौंपते हैं, उनके कार्यों में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करते हैं। हमारे नेताओं की उदासीनता ऐसे अत्याचारों को जारी रखने में सक्षम बनाती है, जबकि जनता उनकी चुप्पी में निश्चिंत रहती है।

इन बहुआयामी चुनौतियों से निपटने के लिए, हमें वन हेल्थ के सिद्धांतों द्वारा सूचित एक व्यापक, अंत:विषय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वन हेल्थ दृष्टिकोण का एक प्रमुख पहलू विधायी सुधार की वकालत करना है जो पशु अधिकारों और कल्याण की समकालीन समझ को दर्शाता है। अपनी सामूहिक आवाज़ों का लाभ उठाकर और नीति निर्माताओं को जवाबदेह बनाकर, हम पुराने कानूनों में बहुत आवश्यक संशोधनों को आगे बढ़ा सकते हैं और उनके मजबूत प्रवर्तन और सरकारी नीति के रूप में कृत्रिम गर्भाधान को हटाने को सुनिश्चित कर सकते हैं।

इसके अलावा, जिम्मेदार पालतू स्वामित्व को बढ़ावा देना और बधियाकरण और बधियाकरण कार्यक्रमों जैसी सहायक पहल वन हेल्थ रणनीति के महत्वपूर्ण घटक हैं। पशु कृषि में स्थायी प्रथाओं को अपनाना और वाणिज्यिक उद्यमों में जानवरों के नैतिक उपचार की वकालत करना वन हेल्थ प्रतिमान का अभिन्न अंग है। पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पशु कल्याण को प्राथमिकता देकर, हम सभी के लिए अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ भविष्य बना सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा की संस्कृति विकसित करने के लिए समुदायों के भीतर सहानुभूति और जागरूकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। ऐसे कई ठोस कदम हैं जिन्हें व्यक्ति बदलाव लाने के लिए उठा सकते हैं: पश्चिम से सीखें: हम सांस्कृतिक मतभेदों के बावजूद जानवरों के प्रति पश्चिमी देशों की दयालु नीतियों से प्रेरणा ले सकते हैं। कई देशों ने गोद लेने के लिए प्रोत्साहन देकर और जानवरों की बिक्री पर जुर्माना लगाकर, गोद लेने के लिए कर लाभ की पेशकश करते हुए खरीद पर भारी कर लागू करके आवारा जानवरों की समस्याओं को सफलतापूर्वक संबोधित किया है। उदाहरण के लिए, तुर्क़ सामुदायिक जानवरों के साथ सह-अस्तित्व का उदाहरण देता है, सड़कों पर आवारा बिल्लियों और कुत्तों के लिए घर और भोजन की व्यवस्था प्रदान करता है। यदि तुर्क और नीदरलैंड जैसे देश इसे प्रबंधित कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? उनके स्वच्छ और अच्छी तरह से निर्मित पशु आश्रय स्थल, दयालु पशु चिकित्सकों से सुसज्जित, जिन्होंने स्वेच्छा से अपना पेशा चुना, एक स्पष्ट विरोधाभास को उजागर करते हैं। पशु चिकित्सा लापरवाही को सख्ती से संबोधित किया जाता है, और वे वर्दीधारी पेशेवरों के साथ स्वच्छता मानकों को बनाए रखते हुए, पशुधन सहायकों पर पशु चिकित्सा नर्सों को प्राथमिकता देते हैं।

विधायी सुधार के पक्षधर: निर्वाचित प्रतिनिधियों से पशु कल्याण कानून को प्राथमिकता देने और विरोध प्रदर्शन और लगातार बैठकें आयोजित करके इसका जोरदार कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का आग्रह करें। पशु अधिकारों और कल्याण के आधुनिक मानकों के अनुरूप पशु क्रूरता निवारण अधिनियम जैसे पुराने कानूनों में संशोधन की वकालत करना। भले ही पिछले प्रयासों, जैसे कि मेनका गांधी के नेतृत्व में, तत्काल परिणाम नहीं देते थे, यह आवश्यक है कि आशा न खोएं – शायद प्रयास के लिए अधिक दृढ़ दृढ़ता की आवश्यकता होती है। जिम्मेदार गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करें: प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की पहचान करें और उनका समर्थन करें जो सक्रिय रूप से पशु बचाव, पुनर्वास और वकालत में लगे हुए हैं। स्वेच्छा से समय देकर, संसाधन दान करके, या सोशल मीडिया पर अपना संदेश फैलाकर, व्यक्ति पशु कल्याण के लिए व्यापक आंदोलन में योगदान दे सकते हैं।

दयालु प्रथाओं को बढ़ावा दें: समुदायों को जानवरों के लिए मानवीय उपचार प्रथाओं के बारे में शिक्षित करें, जिसमें अधिक जनसंख्या को रोकने के लिए पालतू जानवरों को बधिया करने और बधिया करने का महत्व भी शामिल है। जिम्मेदार पालतू पशु स्वामित्व को प्रोत्साहित करें और क्रूरता और शोषण को कायम रखने वाली प्रथाओं को हतोत्साहित करें।

सहानुभूति और जागरूकता को बढ़ावा: आवारा जानवरों की दुर्दशा और उनकी पीड़ा को बनाए रखने वाले प्रणालीगत मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया, होर्डिंग, सामुदायिक मंच और शैक्षिक पहल जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करें। सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संवाद और सहानुभूति-निर्माण अभ्यास को प्रोत्साहित करें।

अधिकारियों को जवाबदेह ठहराएं: सरकारी एजेंसियों को पशु कल्याण के मुद्दों को संबोधित करने में उनकी भूमिका के लिए जिम्मेदार रखें, जिसमें नसबंदी कार्यक्रमों और श्मशान के लिए संसाधनों का आवंटन, क्रूरता विरोधी कानूनों को लागू करना और जानवरों का शोषण करने वाले वाणिज्यिक उद्यमों का विनियमन शामिल है। नगर निगमों, पुलिस और अपने स्थानीय विधायकों से शुरुआत करें।

गोद लें, खरीदारी न करें: वाणिज्यिक प्रजनकों से पालतू जानवर खरीदने के बजाय किसी आश्रय या बचाव संगठन से आवारा जानवर को गोद लेने पर विचार करें। किसी जरूरतमंद जानवर को एक प्यार भरा घर प्रदान करके, व्यक्ति आवारा आबादी को कम करने और पीड़ा को कम करने में सीधे योगदान दे सकते हैं।

यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि आवारा जानवरों का कल्याण आंतरिक रूप से सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और नैतिक शासन के व्यापक मुद्दों से जुड़ा हुआ है। जानवरों के अधिकारों और सम्मान की वकालत करके, हम मानव और गैर-मानव सभी प्राणियों के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण, दयालु समाज बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

इस विश्व आवारा पशु दिवस पर, आइए हम प्रधान मंत्री मोदी और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से पशु कल्याण के प्रति सच्ची करुणा और प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का आव्हान करें। यह ठोस कार्रवाई का समय है, खोखले वादों या सांकेतिक इशारों का नहीं। हमारी सड़कों पर आवारा जानवरों की पीड़ा निर्णायक, परिवर्तनकारी परिवर्तन से कम कुछ नहीं मांगती है। अब समय आ गया है कि हमारी सरकार अपनी नींद से जागे और हमारे समुदायों को परेशान करने वाले व्यापक अन्याय का मुकाबला करे।

यह दिखाने का समय आ गया है कि भारत वास्तव में अपने सभी निवासियों की परवाह करता है, चाहे वे किसी भी प्रजाति के हों। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहां मनुष्यों, जानवरों और पर्यावरण की भलाई आंतरिक रूप से जुड़ी हुई है – एक ऐसी दुनिया जहां हर जीवन, चाहे वह कितना भी छोटा या कमजोर क्यों न हो, मूल्यवान और संरक्षित है।

मरियम अबु हैदरी,
वन्य जीव प्रेमी

राशिफल

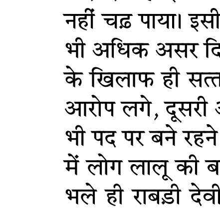

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 4 अप्रेल, 2024

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र रात्रि 8:12 तक, सिद्ध योग दिन 11:15 तक, विष्टि करण सांय 4:15 तक, चन्द्रमा मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा सांय 4:15 तक है। आज दशामाता व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:51 तक, चर 10:57 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:26 तक, शुभ 5:09 सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:42

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से परेशानी हो सकती है।

तुला
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक मामलों में उचित सोच-विचार हो सकता है। खान-पान के कारण परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद बढ़ सकते है।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य सोच-विचार के पश्चात करें। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 335 प्रभात चूरू, गुरुवार 4 अप्रेल, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

रॉबर्ट वाड्रा एक बार फिर चुनाव लड़ने के लिये कसमसाये!

एक टी.वी. चैनल को दिये इन्टरव्यू में रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि, उन्हें संसद में होना चाहिये, जिससे वे स्मृति इरानी के उन पर लगाये आरोप का जमकर जवाब दे सकें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। अभी तक कांग्रेस पार्टी की तरफ से कोई संकेत नहीं है कि, अमेठी और रायबरेली सीटों से चुनाव कौन लड़ेगा। इस विषय पर कांग्रेस ने अभी तक अपने कार्ड नहीं खोले हैं।

अभी तक यह पता है कि, राहुल गाँधी का सोच यहाँ तक साफ है कि, प्रियंका गाँधी को भी चुनाव नहीं लड़ना चाहिए ना ही राज्यसभा के रास्ते संसद पहुँचना चाहिए। क्योंकि, गाँधी परिवार के जितने ज्यादा लोग संसद में दिखते हैं, मोदी के कांग्रेस पर वंशवाद के आरोप को और मजबूती मिलती है।

अब एन्ट्री होती है, प्रियंका गाँधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की। जैसा कि वो हर चुनाव से पहले करते हैं, चाहे वो लोकसभा हो या विधानसभा, वाड्रा एक बार फिर चुनाव मैदान में कूदने के लिए कसमसा रहे हैं।

- **रॉबर्ट वाड्रा ने खुद के लिये टिकट की पैरवी करते हुए, यह भी कहा कि, उनके पास देशभर से मैसेज आ रहे हैं कि, उन्हें इस बार चुनाव अवश्य लड़ना चाहिये।**
- **पिछली बार भी चुनाव से पहले रॉबर्ट वाड्रा ने चुनाव लड़ने की पूरी पेशकश की थी। पर, राहुल गांधी ने उन्हें टिकट देने से साफ मना कर दिया था तथा चुप करा दिया था।**
- **राहुल गांधी का सोच तो यहां तक भी साफ है कि, प्रियंका गांधी को भी चुनाव नहीं लड़ना चाहिये और न ही राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंचना चाहिये, क्योंकि गांधी-नेहरू परिवार के जितने ज्यादा लोग संसद में दिखते हैं, मोदी के कांग्रेस पर वंशवाद के आरोप को और मजबूती मिलती है।**
- **इसीलिये संभवतया, इस बार अमेठी व रायबरेली की सीट पर इस परिवार का कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ेगा।**

एक टी.वी. चैनल को दिए इन्टरव्यू में, वाड्रा ने काफी स्पष्ट शब्दों में कहा है कि, उन्हें और प्रियंका गाँधी, दोनों को संसद में होना चाहिए और वो संसद के अंदर स्मृति ईरानी द्वारा उन पर लगाए आरोपों का जवाब देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, देश भर से लोग उनसे चुनाव लड़ने को कह रहे हैं।

पिछली बार जब उन्होंने यह सब कहा था और टिकट पाने की कोशिश की थी, तब राहुल गाँधी ने उन्हें चुप करा दिया था और स्पष्ट रुप से ना कह दिया था।

राहुल गाँधी ने आज वायनाड से अपना नामांकन दाखिल किया लेकिन अमेठी को लेकर कोई संकेत नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि, इस बात की बहुत कम संभावना है कि, गाँधी परिवार का कोई सदस्य अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ेगा और ऐसा पहली बार होगा कि, गाँधी परिवार की सीट से परिवार का कोई व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ रहा।

इससे नज़र आता है कि, कैसे कांग्रेस पार्टी हिन्दी भाषी क्षेत्र के सबसे बड़े राज्य में, जो संसद में 80 सांसद भेजता है, अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही है और यह भी कि, कांग्रेस नेतृत्व मतदाताओं को आकर्षित करने में असमर्थ है और मुसलमानों को छोड़कर उनके पास कोई वोट बैंक नहीं बचा है तथा मुसलमान अकेले चुनाव में विजय सुनिश्चित नहीं कर सकते।

चुनावी राजनीति में सफलता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वैभव का प्रचार करने जालोर जाएंगे पायलट

बाड़मेर, 3 अप्रेल (का.प्र.)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, 2019 में वैभव के टिकट के लिए मैंने भी एफर्ट किए थे। अब मैं जालोर जाकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के लिए प्रचार करूंगा।

उन्होंने कहा, जब मैं 2019 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष था, तब मैंने दिल्ली से यह प्रयास किया कि वैभव को टिकट मिल जाए। मैं उनके नॉमिनेशन में भी गया था। मैंने उनके लिए प्रचार किया था। हालांकि, तब वे चुनाव हार गए थे। इस बार वे जालोर से चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार भी मैं उनके लिए चुनाव प्रचार करूंगा।

- **सचिन पायलट ने कहा कि, 2019 में भी वैभव को टिकट दिलाने के लिए ''एफर्ट'' किए थे अब मैं उनके प्रचार के लिए भी जाऊंगा।**

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विवाद पर पायलट ने कहा, मैंने आपा नहीं खोया, मर्यादा व शालीनता रखी और बड़ा दिल दिखाते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि, कड़वाहट को भुलाकर आगे बढ़ना ही पार्टी के हित में है।

गहलोत के पुराने बयानों पर पायलट ने कहा कि, गहलोत को उन्हीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय निरूपम कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देंगे आज

संजय निरूपम कांग्रेस पार्टी से काफी खफा थे, मुम्बई नॉर्थ-वैस्ट सीट को शिव सेना के लिये छोड़ देने का निर्णय लेने के बाद

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। महाराष्ट्र के कांग्रेसी नेता, संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ने का मन बना लिया प्रतीत होता है, जैसा कि पार्टी के राज्य प्रमुख, नाना पटोले की उनके विरूद्ध कार्रवाई करने की धमकी के प्रत्युत्तर में उनकी आक्रामक प्रतिक्रिया से स्पष्ट है।

निरूपम ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, ''कांग्रेस को अपनी ऊर्जा और स्टेशनरी, मुझ पर बर्बाद नहीं करनी चाहिए बल्कि उसे पार्टी को बचाने के लिए बचा के रखनी चाहिए। पार्टी वैसे भी व्यापक वित्तीय चुनौती का सामना कर रही है। मैंने एक सप्ताह का समय दिया था और आज वह खत्म होता है। मैं कल अपना निर्णय लूंगा।

इससे पहले पटोले ने एक प्रैस सम्मेलन में कहा था कि, पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में से निरूपम का नाम हटा दिया है और पूर्व सांसद के हालिया विवादास्पद टिप्पणियों के कारण उनके विरूद्ध कार्यवाही शुरू कर दी गई है। महाराष्ट्र की कई लोकसभा सीटों के लिए, शिव सेना उद्धव बाल ठाकरे

- **रूष्ट निरूपम ने कांग्रेस के खिलाफ कई वक्तव्य दिये थे तथा महाराष्ट्र में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने निरूपम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही और पार्टी से निष्कासन तक की बात कही।**
- **इस धमकी पर, निरूपम ने प्रैस कॉन्फ्रैंस करके कहा कि, कांग्रेस मुझे नोटिस देने का काम करने में अपनी स्टेशनरी बर्बाद न करे, मैंने सात दिन का समय दिया था कांग्रेस को, मुम्बई नॉर्थ वैस्ट सीट के बारे में अपना निर्णय बदल ले। बुधवार शाम को वो सात दिन पूरे हो रहे हैं, अतः कल मैं अपना निर्णय बताऊंगा, कांग्रेस की सदस्यता त्यागने के बारे में।**

(यू.बी.टी.) के अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद, निरूपम ने शिव सेना यू.बी.टी. पर हमलों की झड़ी शुरू कर दी थी, इसके बाद पटोले का उपरोक्त बयान आया था। ज्ञातव्य है कि निरूपम उत्तर-पश्चिम मुंबई क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे, जहां से शिव सेना यू.बी.टी. ने अमोल कीर्तिकर की उम्मीदवारी घोषित कर दी है। शिव सेना के शिंदे गुट के गजानन कीर्तिकर वर्तमान में यहां से सांसद हैं। वर्ष 2019 के चुनावों में कीर्तिकर ने निरूपम को हराया था।

मुंबई की छः लोकसभा सीटों में से, शिव सेना यू.बी.टी. 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और केवल एक सीट कांग्रेस के लिए छोड़ेगी। निरूपम ने पहले कहा था, ''यह तो दान देने के समान है। सीट बंटवारे की यह व्यवस्था मुंबई में कांग्रेस का अस्तित्व खत्म करने के लक्ष्य में की गई है। मैं इस निर्णय का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अम्बानी बने 100 बिलियन क्लब में शामिल होने वाले पहले भारतीय

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। वर्ष 2024 की फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिनिनियर्स लिस्ट के अनुसार, रिलायंस इण्डस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 116 अरब डॉलर की सम्पत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर आदमी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अंबानी विश्व के 9वें सबसे अमीर व्यक्ति भी हैं और इनकी मुकेश अंबानी की सम्पत्ति में 39.76 प्रतिशत इजाफा हुआ, जिससे वह 100 बिलियन डॉलर के विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

- **फोर्ब्स की नवीनतम लिस्ट के अनुसार सबसे अमीर भारतीय मुकेश अम्बानी विश्व के सर्वाधिक अमीर लोगों की लिस्ट में नवें नम्बर पर हैं।**

भारत में दूसरे स्थान पर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी हैं। उनकी नैट वर्थ 84 बिलियन डॉलर है। सावित्री जिन्दल भारत की सबसे अमीर महिला है और देश के अमीरों की लिस्ट में 33.5 बिलियन डॉलर की सम्पत्ति के साथ वह चौथे नम्बर पर है।

अमेरिका में सर्वाधिक 813 अरबपति, उसके बाद चीन में 473 (हांगकांग को मिलाकर) हैं। उसके बाद 200 अरबपतियों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है।

फोर्ब्स की वर्ल्ड बिलिनियर लिस्ट 2024 के 10 भारतीय अरबपतियों के नाम हैं:-

मुकेश अंबानी- 116 अरब डॉलर, गौतम अडानी-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस व अन्य दलों के 314 वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हुए

इनमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू, पूर्व विधायक नंद किशोर महरिया, जे.पी. चंदेलिया आदि प्रमुख हैं

जयपुर, 3 अप्रैल (का.सं.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आज विभिन्न राजनैतिक दलों से आए सांसद, पूर्व मंत्री, विधायक, प्रधान, जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यों सहित 314 नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल और श्रवण सिंह बगड़ी ने श्रीगंगानगर के पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू, पूर्व विधायक जे पी चंदेलिया, पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया, शिमला देवी बावरी, फतेहपुर विधानसभा प्रत्याशी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मधुसूदन भिंडा, गंगानगर से प्रत्याशी रहे पृथ्वीपाल सिंह, झुंझुनू से पूर्व प्रत्याशी रहे राजेन्द्र भामू, पिलानी से पूर्व प्रत्याशी कैलाश मेघवाल, ब्राह्मण महासभा के प्रदेश सचिव विजय कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष झुंझुनू सुभाष शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गुलाब कंवर, कांग्रेस के महामंत्री रहे नरेन्द्र इंदौरिया, जेजेपी यूथ विंग के प्रदेशाध्यक्ष प्रतीक महरिया, युवा ब्राहमण महासभा के प्रदेश महामंत्री निखिल इंदौरिया और ब्यावर से प्रत्याशी रहे इंद्र सिंह बाघावास, मनोज गौतड सहित सैंकडो नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

- **इन नेताओं को भाजपा जॉइन कराने के कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी व कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।**
- **श्रीगंगानगर के पूर्व सांसद शंकर पन्नू ने कहा, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है कुछ दिन बाद कांग्रेस का कोई नामलेवा भी नहीं बचेगा, इस पार्टी में आम कार्यकर्ता की कोई सुनवाई नहीं है।**
- **नंद किशोर महरिया ने कहा, भाजपा यमुना जल लाकर शेखावाटी की पानी की समस्या का समाधान कर रही है।**

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजय रथ को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश का हर वर्ग साथ है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बेहतर काम कर रही है, वहीं, भाजपा का संगठन प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में सभी को साथ लेकर चल रहा है।

जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों का भाजपा परिवार में स्वागत है। आज समाज के हर वर्ग को यह नजर आने लगा है कि कांग्रेस डूबती हुई नाव है, इसलिए सभी नेता कांग्रेस को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

गंगानगर के पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते हुए कहा कि, मैंने कांग्रेस में लंबे समय तक काम किया, लेकिन आज कांग्रेस में कार्यकर्ता की कोई सुनवाई नहीं है। एक परिवार की पैरवी करने वाली कांग्रेस में दिल्ली से लेकर नीचे तक परिवारवाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चंदे से भव्य कॉर्पोरेट ऑफिस बना रहा है संघ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। राजधानी दिल्ली में बन रहे आर.एस.एस. के तीन मीनारों वाले विशाल ऑफिस के लिए उगाहे गए फण्ड्स को लेकर प्रश्न पूछे जा रहे हैं। पहली मीनार जो12 फ्लोर की है, के एक वर्ष के भीतर बनकर तैयार हो जाने की उम्मीद है। इस का निर्माण वर्ष 2016 में शुरु हुआ था।

आर.एस.एस. ना तो कोई रजिस्टर्ड एन.जी.ओ. है और ना ही इसके खातों की कोई ऑडिट की जाती है तथा यह आयकर अधिनियम के दायरे में भी नहीं आता है और वास्तव में किसी को यह नहीं पता कि यह अपने फण्ड्स कैसे जुटाता है या इसे विदेशी फण्ड्स प्राप्त हो रहे हैं।

- **तीन टावर वाली इस इमारत का पहला 12 मंजिला टावर एक साल में बन कर तैयार हो जाएगा। ऑफिस की इमारत का निर्माण 2016 में शुरू हुआ था। मात्र चंदे से इतना भव्य ऑफिस बनाए जाने पर कई सवाल उठ रहे हैं।**

वर्ष 2016 में इस निर्माण कार्य की आधारशिला आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने 3.5 लाख वर्ग फीट के भूखण्ड पर रखी। यहां आर.एस.एस. का पुराना ऑफिस था, जिसका चयन विशालकाय दफ्तर के निर्माण के लिए किया गया। झण्डेवालान स्थित इस साइट को केशवगंज के रूप में जाना जाता है और केशव स्मारक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला ने नामांकन भरा

नामांकन सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम पीसी बैरवा, मंत्री किरोड़ीलाल मीणा, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी आदि मौजूद रहे

कोटा, (निसं)। राजस्थान कोटा-बूंदी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ओम बिरला की बुधवार को अपना नामांकन भरा। वहीं इससे पूर्व नामांकन रैली आयोजित हुई। यह सभा जेके पवेलियन स्टेडियम के बाहर रोड पर आयोजित हुई। इसके लिए एक पंडाल बनाया हुआ था। नामांकन रैली में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार की कहानी लिखी जाती थी। देश आतंकवाद से परेशान था और तुष्टिकरण के नाम पर वोट लिए जाते थे। कांग्रेस ने 7 दशक तक

- **कांग्रेस ने सात दशक तक गरीबी हटाने के नाम पर वोट मांगा। गरीबी इन्होंने हटाई नहीं बल्कि गरीबों को ठगने का काम किया है : मुख्यमंत्री**

गरीबी हटाने के नाम पर वोट मांगा। गरीबी इन्होंने हटाई नहीं बल्कि गरीबों को ठगने का काम किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और इस देश में भ्रष्टाचार की जननी भी कांग्रेसी है। कोटा एयरपोर्ट के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोटा में वादा किया था। इसके बाद सरकार बनते ही हमने पैसा ट्रांसफर कर दिया। जितनी भी बाधाएं और एनओसी चाहिए थी उसे दूर की है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर को काल्पनिक बताया था। मंदिर के निर्णय को इन्होंने अटकाया है। जिन्होंने मंदिर बनवाया और मंदिर के लिए निर्णय किया उनके लिए निर्णय 26 अप्रेल को करना है। ओम बिरला ने पूरे राजस्थान की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया है। लोकसभा में बैठकर उन्होंने राजस्थान की समस्याओं के निदान के लिए केंद्रीय मंत्रियों को बुलाया है। भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला ने कहा कि 2003 के बाद मैंने बेटे और भाई की तरह काम किया है। लोकसभा अध्यक्ष बनने के बाद भी संसदीय मर्यादा को आगे बढ़ने का ही काम किया है। मैं खुशी से कह सकता हूं कि मेरे कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य संसद में हुए हैं और रिकॉर्ड बना है। रिकॉर्ड विधेयक पारित हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि बाबरी मस्जिद के लिए चर्चा उनके समय हुई जबकि भाजपा के समय राम मंदिर निर्माण के संकल्प पर चर्चा की गई। यह दोनों पार्टियों के बीच का अंतर है।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम पीसी बैरवा, मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, मदन दिलावर, हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी मौजूद रहे। मंत्री मदन दिलावर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर एक भी वोट कांग्रेस को गया तो समझों की राम विरोधियों को गया है। इसलिए भूल कर भी वोट कांग्रेस को नहीं देना है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि पीएम मोदी की ताकत बढ़ाने के लिए 25 के 25 कमल के फूल (सीट) राजस्थान से हमें जीताकर भेजना है। हमें यह समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान और चीन का इलाज कौन कर सकता है। पहली बार किसी देश में हुआ है कि 30 थानेदारों को जेल भेज दिया गया है। भ्रष्टाचार मिटाने के लिए भाजपा सरकार संकल्पित है।

कोटा में आयोजित भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला की नामांकन रैली से पहले आयोजित सभा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, ओम बिरला, मंत्रियों और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने संबोधित किया।

मकान में घुसा पैंथर, दो घंटे के बाद ट्रेंकुलाइज किया

घर में कमरे में बंद महिला ने मेन गेट से पैंथर को आता देखा तो उसके होश उड़ गए

उदयपुर, (कासं)। गर्मी के प्रकोप के साथ ही पेयजल की तलाश में वन्यजीव आबादी इलाके में प्रवेश करने लगे हैं, बस्ती क्षेत्र में वन्यजीवों के प्रवेश से लोगों में भय व्याप्त हो गया है। ऐसा ही एक नजारा बुधवार को शहर के सेक्टर 14 में देखने को मिला जहां दिनदहाड़े पैंथर एक घर में घुस गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार उदयपुर शहर के सेक्टर-14 में सुहालका भवन के पीछे गांधी नगर स्थित एक घर में बुधवार सुबह एक पैंथर घुस गया। घर में कमरे में बंद महिला ने मेन गेट से पैंथर को आता देखा तो उसके होश उड़ गए। उसने कमरे का गेट बंद किया और फिर उसकी सास को आवाज लगायी, सास ने भी खुद को कमरे में बंद कर लिया, फिर पति को सूचना दी। कॉलोनी वाले इकट्ठे हुए, लेकिन पैंथर के घर के

- **सूचना पर वन विभाग की टीम और सवीना थाना पुलिस मौके पर पहुंची**

अंदर होने से गेट के अंदर जाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि पैंथर गांधी नगर सेक्टर 14 निवासी अर्जुन डांगी के घर में सुबह पैंथर घुस गया। जिस पर पैंथर मेन गेट से अंदर गया, उस समय घर पर अर्जुन डांगी की पत्नी जमना और बहु ज्योति मौजूद थी। पैंथर को घर के अंदर आता देख सबसे पहले ज्योति ने देखा था। पैंथर घर की पहली मंजिल पर एक ड्रम के पीछे जाकर बैठ गया। ज्योति ने बताया कि वे कमरे में प्याज काट रही थी, तभी उन्होंने मेन गेट से पैंथर को आता देखा जो सीढ़ियों से पहली मंजिल पर गया। पैंथर को देखते ही मैंने मेरी सास को आवाज दी, मेरी आवाज सुनकर उन्होंने भी बचने के लिए खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद फोन कर घर में पैंथर आने की सूचना दी।

सूचना पर वन विभाग की टीम और सवीना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पैंथर को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया। सवीना थाना पुलिस और वन कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर इकट्ठे हुए लोगों को संभाला, वहीं वन कर्मियों ने नेट लगाकर घर को कवर किया, ताकि पैंथर कूदकर पब्लिक की ओर न आ सके। इसके बाद वन विभाग की टीम ने पैंथर को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

650 लीटर वाश नष्ट कराई

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मध्यनजर अवैध मदिरा की कशीदगी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध निरोधात्मक गतिविधियों के आदेश की पालना में बुधवार को अलसुबह जिला प्रतापगढ में आबकारी विभाग व पुलिस थाना धरियावद की टीम द्वारा अवैध हथकड़ शराब के विरूद्ध संयुक्त कार्यवाही करते हुए चित्तौड़िया, पंचागुड़ा, पिपलिया, लोहारफला और करमोई नदी में करीबन 650 लीटर उत्तेजित वॉश ड्रमों में भरी मिली। जिसे मौके पर ही नष्ट किया। वहीं 15 बोतल हथकड़ शराब जप्त कर एक अभियोग दर्ज किया गया।

जेईई-मेन-2024 : अप्रेल सेशन की परीक्षा आज से

कोटा (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के दूसरे सेशन की परीक्षा 4 अप्रेल से प्रारम्भ हो रही है। यह परीक्षा अप्रेल 4 से 12 अप्रेल के मध्य 11 पारियों में होगी, इसमें 4, 5, 6, 8 एवं 9 अप्रेल को बीई बीटेक की 10 पारियों में परीक्षा एवं 12 अप्रेल को एक पारी में बीआर्क की परीक्षा होगी। अप्रेल सेशन के लिए 11 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, ऐसे में प्रत्येक दिन दो शिफ्ट में 2 लाख से अधिक स्टूडेंट्स परीक्षा देने वाले है।

प्रत्येक शिफ्ट में 1 लाख से अधिक स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल होंगे। साथ ही जनवरी परीक्षा के लिए पूर्व में 12 लाख 31 हजार विद्यार्थी पहले ही पंजीकृत हो चुके हैं। उसके उपरांत करीब तीन लाख विद्यार्थी अप्रेल परीक्षा के लिए नए पंजीकृत हुए हैं। ऐसे में जनवरी जेईई मेन दोनों सेशन मिलाकर यूनीक कैंडिडेट की संख्या 14 लाख से अधिक हो चुकी है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि विद्यार्थियों को सुबह की शिफ्ट में 7;20 से 8;30 के मध्य एवं दोपहर की शिफ्ट में 1;20 से 2;30 के मध्य रिपोर्ट करना है और परीक्षा शुरू होने से आधा घंटे पहले प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे।

27 साल की विवाहिता ने ससुराल में फंदा लगाकर सुसाइड किया

विवाहिता ने पहले वॉट्सऐप पर अपने परिजनों को सुसाइड नोट भेजा था

अजमेर, (कासं)। अजमेर पंचशील नगर क्रिश्चियन गंज पुलिस थाना इलाके की रहने वाली 27 साल की विवाहिता ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इससे पहले उसने वॉट्सऐप पर अपने परिजनों को सुसाइड नोट भेजा था। जिसमें अपनी ननद पर मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। मामला अजमेर जिले के क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र के पंचशील नगर में बुधवार सुबह साढ़े सात बजे का है।

क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि मंगलवार देर रात पंचशील नगर निवासी मन्नत आसवानी उर्फ लवीना (27) पत्नी ललित असवानी ने अपने कमरे में चुन्नी से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह सूचना मिलने पर महिला के पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने परिवार की मदद से शव को फंदे से उतारकर जेएलएन अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। विवाहिता के पास से

- **सुसाइड नोट में लिखा कि मेरा पति अफ्रीका जा रहा है मुझे छोड़कर, इसलिए मैंने ऐसा कदम उठाया है, इसमे मेरे पति की कोई गलती नहीं है**
- **अपनी ननद पर मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया**

सुसाइड नोट मिला है। पुलिस के अनुसार परिवारजनों से शिकायत मिलने पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। सुसाइड के कारणों को लेकर जांच की जा रही है।

तोपदड़ा निवासी मन्नत की मौसी कोमल लालवानी ने बताया कि उनकी बच्ची ने आत्महत्या करने से पहले सुसाइड नोट लिखा। जिसमें उसने लिखा कि मेरा घर तोड़ने वाली सिर्फ भारती है। सारा दिन ललित को भड़काती रहती है। खुद तो अपना घर बनाया नहीं, भाई का भी नहीं बनने दिया। उसने लिखा कि मेरा पति अफ्रीका जा रहा है मुझे छोड़कर इसलिए मैंने ऐसा कदम उठाया है, इसमे मेरे पति की कोई गलती नहीं है, उसकी बहन भारती की है। कोमल ने बताया कि रात 12 बजे के करीब मन्नत ने सुसाइड नोट लिखने के बाद इसे बहनों के वॉट्सऐप ग्रुप में भेजा था। जिसे पढ़ने के बाद उसने उसके पति ललित को फोन कर इसकी जानकारी दी, इसके बावजूद उसके पति ने किसी तरह का कदम नहीं उठाया। ललित ने कमरे के बाहर बैठकर शराब पी, इसके बाद जाकर सो गया। पीछे से मन्नत ने सुसाइड कर लिया। सुबह ललित ने मुझे फोन कर कहा कि मन्नत कमरे का गेट नहीं खोल रही है। इसके बाद वह अपने पूरे परिवार के साथ मौके पर पहुंची। गेट तोड़कर देखा तो बच्ची फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। बच्ची को फंदे पर लटका देख ससुराल पक्ष के सभी लोग वहां से भाग निकले।

कोमल ने बताया कि जून 2022 में मन्नत की ललित से शादी हुई थी। शादी के कुछ महीने बाद ही मन्नत अपने पति ललित के पास अफ्रीका चली गई। अफ्रीका में मन्नत को टॉर्चर किया जा रहा था। ललित अपनी बहन भारती के बहकावे में आकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। उसे पत्नी का सुख नहीं मिलता था। ललित अफ्रीका में लिकर कंपनी में काम करता था। मन्नत परिवार को फोन कर इसकी जानकारी देती थी, लेकिन परिवार के सभी सदस्य उसे समझा देते थे। फरवरी में मन्नत अपने पति के साथ भारत आ गई। 2 महीने पहले ही अलग घर बनवाकर वह रह रहे थे। कोमल ने कहा कि आज ललित और मन्नत अफ्रीका जाने वाले थे। मन्नत अफ्रीका जाने के लिए तैयार नहीं थी, क्योंकि ललित उसके साथ वहां पर मारपीट करता था। मंगलवार को ही मन्नत को एक कैफे में बुलाकर उसने अफ्रीका जाने के लिए मनाया था, लेकिन पति, ननद और सास के टॉर्चर से परेशान होकर उसने देर रात सुसाइड कर लिया।

राजभवन ने कुलपति से मांगी रिपोर्ट

जयपुर। शेखावाटी यूनिवर्सिटी में आईटी, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक व अन्य सामग्री की खरीद के लिए जारी 23 करोड़ के टेंडर के गडबडी मामले में सामाजिक कार्यकर्ता युनुस चौपदार की शिकायत पर राजभवन ने कुलपति से रिपोर्ट मांगी। विभिन्न श्रेणी की सामग्री के लिए नियम विरुद्ध एक ही टेंडर जारी किया गया था। वहीं केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय व प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग में भी मामले की जांच शुरु हुई।

पाली में भाजपा प्रत्याशी पी.पी. चौधरी ने नामांकन दाखिल किया

पाली, (नि.सं.)। भाजपा से लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार पीपी चौधरी ने अपना नामांकन करने के बाद पाली के विवेकानन्द सर्कल पर विशाल नामांकन सभा को संबोधित किया। जहां पूरे जिले से हजारों महिला-पुरुष कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश सहप्रभारी विजया राहटकर, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केबिनेट मंत्री राज्यवर्द्धनसिंह राठौड़, केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, प्रदेश सहप्रभारी प्रवेश वर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया सहित 8 विधानसभा के विधायक, प्रदेश के आला नेता मौजूद भी रहे। इस दौरान भाजपा के नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह जनता ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उनका चेहरा बताया, इस तरह लोकसभा चुनाव में भी बता देगी। डबल इंजन की सरकार जनता पूरी तरह खुश है। मोदी सरकार में अपराधिक गतिविधियों को लगाम लगी है और महिला सुरक्षा को बढ़ावा मिला है, महिलाओं को गैस, पेट्रोल के भाव में कमी,अब आगामी लोकसभा चुनाव में सभी 25 सीटों पर भाजपा अपना दबदबा हासिल करेगी। वही अबकी बार मोदी सरकार 400 पार का नारा दिया है जिसे कार्यकर्ता बूथ स्थल तक मतदाता को पहुंच कर पूरा करने का संकल्प ले, सभी बड़े नेताओं ने एक ही बात कही, राजस्थान के साथ पूरे देश में कमल खिलाना है। इसी कड़ी में पाली से सांसद को जीतकर मोदी जी के गले का हार बनाना है। नामांकन सभा में पूरे जिले से करीब 10 हजार लोग पहुंचे। मीटिंग के बाद प्रत्याशी पीपी चौधरी की विशाल रैली निकाली।

फरार स्थाई वारंटी नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

रामगंज पुलिस ने तीन हजार किमी का सफर तय कर वारंटी को पकड़ा

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के दिशा निर्देशों पर स्थाई वारंटी की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगंज थाना पुलिस ने तीन हजार किमी का सफर तय कर नेपाल बॉर्डर से बीस से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया।

रामगंज थाना अधिकारी रविंद्र सिंह ने बतायाकि एसपी देवेन्द्र कुमार विश्नोई के दिशा निर्देशों पर थाना क्षेत्र के स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टीम का गठन किया गया। टीम ने थाने के स्थाई वांरटी मंसूर अली पुत्र साहब अली उर्फ शाहबुदीन निवासी ग्राम मिश्रोली कुवैरा भुआल पट्टी पोस्ट गोडरिया पुलिस थाना विसुनपुरा जिला कुशीनगर उत्तरप्रदेश हाल निवासी अशोक विहार कॉलोनी नारीशाला सुभाषनगर पुलिस थाना रामगंज को को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ 12 स्थाई वांरट है।

थाना अधिकारी सिंह ने बताया कि न्यायालय से जारीशुदा स्थाई वांरटी मंसूर अली के 12 स्थाई वांरट आमद थे, वारन्टी के सन्दर्भ में टीम को सूचना मिली थी कि नेपाल बॉर्डर के आसपास है। टीम को वांरटी की गिरफ्तारी हेतु कुशीनगर नेपाल वॉर्डर गांव मिश्रौली किया। टीम ने स्थानीय लोगों से जानकारी प्राप्त कर वारंटी की पत्नी वहीं निवासरत करती है, लेकिन वारंटी अपने घर से फरार था, जिसपर टीम ने वही रहकर रूप बदलकर गांव के निवासी बनकर तलाश में बैठी रही। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने पीछा कर जंगल सिसवा उत्तरप्रदेश नेपाल बॉर्डर से स्थाई वारंटी मंसूर अली को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया।

सभा में सांसद देवजी पटेल नहीं गिना सके उपलब्धियां

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के भगतसिंह स्टेडियम में भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी के नामांकन सभा में आयोजित सभा के दौरान के सांसद देवजी पटेल अपने भाषण में अपनी तीन कार्यकाल की उपलब्धियां नहीं गिना सके। वहीं भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी भाषण के दौरान हड़बडाते हुए टिकट मिलने पर मुख्यमंत्री का बार-बार धन्यावाद देते नजर आये।

जालोर में मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी की नामांकन सभा का आयोजन किया गया। नामांकन सभा प्रातः दस बजे रखी गई। लेकिन मुख्यमंत्री करीब सवा चार बजे मंच पर पहुंचे, जिसके चलते करीब पांच छह घंटे के लम्बे इंतजार के बाद काफी कार्यकर्ता अपने घर चले गये। ऐसे में सभा को सम्बोधित करते हुए सांसद देवजी पटेल ने कहा कि जालोर की जनता ने मुझे लगातार तीन इस क्षेत्र जीताया। इसका में आभारी हूँ। लेकिन वे अपने तीन कार्यकाल में किसी बड़ी उपलब्धि नहीं गिना सके। सांसद देवजी तीन बार मोदी लहर के चलते जीत दर्ज करते रहे, लेकिन जालोर के लिए उनकी कोई बड़ी उपलब्ध नहीं रही। केन्द्र से ना तो जालोर को नेशनल मार्ग से जोड़ सके, ना ही दिल्ली व जयपुर तक सीधे ट्रेन शुरू करवा सके, ना ही केन्द्र की योजना का लाभ जिले को दिला सके।

- **नामांकन सभा में भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम भाषण में हड़बड़ाये**

सभा के दौरान उन्होंने अपना गुस्सा प्रकट करते हुए कहा कि मीडिया वाले हमेशा कहते हैं कि सांसद ने तीन कार्यकाल में कोई कार्य नहीं किया।

इसके बाद वे अपनी उपलब्धियां गिनाने लगे। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी को सम्बोधन करने दिया तो वे हड़बड़ा गये तथा पहले तो मुख्यमंत्री के चरण छुए। इसके बाद उन्होने कई बार अपने भाषण में टिकट मिलने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया, इसके बाद देशी भाषा में भाषण दिया जो उपस्थित कई लोगों के समझ में नही आया। वहीं सिरोही की लोकल भाषा में अपने भाषण के दौरान सिरोही के विकास का ही बखान करते रहे। ऐसे में चौधरी का अभी से फोकस सिरोही जिले से अधिक नजर आ रहा है। ऐसे में जालोर जिले के लोगों को एक बार फिर निराशा हाथ लग सकती है। इस बीच सभा के दौरान बीस कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने भाजपा का दुप्पटा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

ओवरलोड बजरी भरे वाहनों पर रोक लगाने की मांग, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बजरी माफ़िया और डम्पर चालक के ख़िलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में रलायता ग्राम पंचायत के गांवों की सड़कों पर तेज गति से दौड़ते ओवरलोड बजरी भरे वाहनों लगाम कसने की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। हरिसिंह जी का खेड़ा गांव में तेज रफ्तार से सड़क पर दौड़ते अनियंत्रित हुए एक बजरी भरे डम्पर ने बिजली का खंभा धराशायी कर मकान का छज्जा तोड़ दिया। ग़नीमत रही कि रात होने से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बजरी माफ़िया और डम्पर चालक के ख़िलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

मांडलगढ़ के रलायता पंचायत में अवैध बजरी खनन के वाहनों से परेशान ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

हरिसिंह जी का खेड़ा निवासी देवकिशन गुर्जर, हेमेंद्र सिंह, रामेश्वर गुर्जर, जयराम गुर्जर ने बताया कि रात्रि में निकट की बनास नदी से अवैध बजरी खनन व परिवहन कर सैकड़ों डम्पर, ट्रेलर और ट्रैक्टर-ट्रॉली तेज रफ्तार से गांव की सड़कों पर दौड़ते हैं। 30 मार्च की रात्रि में बजरी भरे डम्पर ने बिजली का पोल और मकान का छज्जा तोड़ दिया था। हादसे के थोड़ी देर पहले काफी लोग पोल के नजदीक चबूतरे पर बैठे हुए थे। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। इस हादसे को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने बीगोद थाने में शिकायत दी और बिजली निगम को सूचित किया। हादसे के बाद मोहल्ले की 4 दिन से बिजली बंद पड़ी हुई है और प्रशासन के जिम्मेदार किसी भी अधिकारी मौक़े का जायजा आज तक नहीं लिया है, न ही पुलिस ने कोई कार्रवाई की है।

बनास नदी में बडलियास से लेकर काछोला तक करीब 60 किलोमीटर तक बनास नदी में धड़ल्ले से बजरी का अवैध खनन बदस्तूर लगातार जारी है। नदी के किनारे सैकड़ों बजरी के स्टॉक लगे हुए हैं। बनास नदी

- **अवैध बजरी भरे डम्पर ने मकान के छज्जे को तोड़कर बिजली के खम्भे को धराशायी किया था**
- **मांडलगढ़ में रलायता पंचायत के हरिसिंह जी का खेड़ा गांव के मौहल्ले में चार दिन से बिजली गुल**

से प्रतिदिन 200 वाहनों में अवैध बजरी का परिवहन कर कोटा और मध्यप्रदेश ले जाया जा रहा है। बनास नदी की तह को बजरी माफ़िया ने मशीनों से 15 से 20 फीट गहराई तक खुदाई कर दी है। जिससे पर्यावरण के साथ जलस्तर का भी नुकसान हो रहा है। वहीं बडलियास, बीगोद, काछोला और मांडलगढ़ प्रशासन द्वारा बजरी माफ़िया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिससे बजरी माफ़िया के हौसले बढ़ते जा रहे हैं, जबकि बीते साल अक्टूबर में ही बजरी खनन संवेदक का क्वेरी लाइसेंस ख़तम हो चुका है।

ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन पर बजरी माफ़िया से मिलीभगत का आरोप लगाया है। बजरी माफ़िया पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने आन्दोलन की चेतावनी दी है, ग्रामीणों का आरोप है कि बनास नदी में बजरी माफ़िया ने अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया है और राजनीतिक संरक्षण के चलते बजरी का अवैध खनन बेख़ौफ़ होकर किया जा रहा है। जगह-जगह बजरी माफ़िया गिरोह के लोग एंट्री के नाम पर लाखों की वसूली कर रहे हैं।

बजरी माफ़िया गिरोह द्वारा बडलियास, बीगोद और काछोला के निकट बनास नदी से करीब 200 ट्रक-ट्रैक्टर ट्रोली से बजरी खनन और परिवहन कर बड़लियास, बीगोद, मांडलगढ़ और काछोला थाना क्षेत्र से होकर कोटा भेजा जा रहा है, जिससे सरकार को लाखों के राजस्व की चपत लग रही है।

बूंदी जिला न्यायालय ने याचिकाकर्ता बैंकों पर 1.87 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

- न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने बैंकों द्वारा नियुक्त ऑर्बिटेटर द्वारा एक पक्ष को सुनने के बाद दिये गये अवॉर्ड को लागू कराने के लिये दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह जुर्माना लगाया है
- अदालत के समक्ष इस मामले में 748 याचिकाएं अवॉर्ड को क्रियान्वित कराने के लिये प्रस्तुत की गई थी
- इस प्रथा के खिलाफ हाल ही में जयपुर स्थित कॉमर्शियल कोर्ट में कार्यरत न्यायाधीश रणधीर सिंह मिर्धा ने भी गलत ठहराया था और कहा था कि ऑर्बिटेटर को दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही अवॉर्ड जारी करना चाहिये।

जयपुर, (का.सं.)। बैंकों और लोन लेने वाले व्यवसायिओं के बीच विवाद के बाद बैंकों द्वारा ही नियुक्त मध्यस्थ (ऑर्बिटेटर) के बैंकों द्वारा ही प्रस्तुत तथ्यों को सुनकर अवॉर्ड दिये जाने की प्रथा खिलाफ बूंदी जिला न्यायालय ने एक कड़ा आदेश पारित किया है। बूंदी जिला न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने बैंकों द्वारा नियुक्त एकमात्र (सोल) ऑर्बिटेटर द्वारा दिये गये अवॉर्ड को लागू कराने के लिये दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए आवेदन करने वाले बैंकों पर प्रति याचिका 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। गौरतलब है कि बूंदी जिला अदालत के समक्ष 748 याचिकाएं अवॉर्ड को क्रियान्वित कराने के लिये प्रस्तुत की गई थी, यानी इस मामले में जुर्माने की कुल राशि एक करोड़ 87 लाख की है जिसे बैंकों को 30 दिन में चैक के माध्यम से राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के नामजद अकाउंट में जमा कराना हैं। इस मामले में बैंकों की तरफ से करीब 17 अधिवक्ता अदालत में पेश हुए थे जबकि जिन व्यवसायिओं के खिलाफ अवॉर्ड दिये गये थे उनकी तरफ से कोई अधिवक्ता पैरवी के लिये पेश नहीं हुआ क्योंकि उनके पक्ष को सुने बगैर ही ऑर्बिटेटर ने उनके खिलाफ अवॉर्ड जारी कर दिया था। इन व्यवसायिओं के खिलाफ एकतरफा कार्यवाही करने की इस प्रथा के खिलाफ अदालत ने कठोर टिप्पणियां करते हुए जुर्माना लगाया।

दरअसल ज्यादातर बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान लोन देने के बाद विवादों से निपटने के लिये 'सोल ऑर्बिटेटर' (एकमात्र ऑर्बिटेटर) की नियुक्ति करते हैं। इस मध्यस्थता की सुनवाई की कार्यवाही उसी शहर में होती है जहां बैंक या गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान का मुख्यालय पंजीकृत होता है। अर्थात ऐसी परिस्थितियां आम होती हैं जहां लोन लेने वाला व्यवसायी किसी अन्य शहर या प्रदेश में रहता हो और बैंक का मुख्यालय किसी अन्य शहर या प्रदेश में स्थित हो। ऐसे में कई बार देखा गया है कि ऑर्बिटेटर विवाद का जल्द निपटारा करने के लिये बैंक द्वारा तथ्यों को सुनकर एक पक्षीय कार्यवाही करती हैं। परंतु इन ऑर्बिटेटर द्वारा दिये गये अवॉर्ड को क्रियान्वित कराने के लिये बैंकों को लोन लेन वाले व्यवसायी के जिला न्यायालय में याचिका दायर करनी होती है।

सुप्रीम कोर्ट इस प्रथा, की आर्बिटेटर को दोनो पक्षों की सहमति के बगैर नियुक्त किया जाये या आर्बिटेटर केवल एक ही पक्ष को सुनकर अवॉर्ड दे, दोनों को ही गैर कानूनी करार दे चुका है। परंतु बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर में इसका अभी भी प्रचलन है क्योंकि बैंक लोन देते समय व्यवसायिओं से अपनी शर्त मनवा लेते हैं। इस प्रथा के खिलाफ हाल ही में जयपुर स्थित कॉमर्शियल कोर्ट में कार्यरत न्यायाधीश रणधीर सिंह मिर्धा ने भी गलत ठहराया था और कहा था कि ऑर्बिटेटर को दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही अवॉर्ड जारी करना चाहिये।

अब बूंदी जिला न्यायालय ने न्यायाधीश रणधीश सिंह मिर्धा से मिसाल लेते हुए दूसरा ऐसा निर्णय दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर बुधवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ (बिल्लू बना), महासचिव योगेन्द्र शर्मा पंचौली, उपाध्यक्ष विमल सिंह तंवर, राहुल भारद्वाज, कोषाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मोनिका शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, सिद्धार्थ उपाध्याय, नमोनारायण अवस्थी, शालिनी श्रीवास्तव एवं उमंग माथुर उपस्थित रहे। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंट किया।

'प्रत्याशियों को करवाना होगा विज्ञापनों का अधिप्रमाणन'

जिला स्तरीय एमसीएमसी प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। 'भारत निर्वाचन आयोग के आदेशों की अनुपालना में प्रत्येक प्रत्याशी को अपने प्रचार-प्रसार के विज्ञापनों का जिला स्तरीय एमसीएमसी प्रकोष्ठ से अधिप्रमाणन करवाना आवश्यक है' यह कहना है जिला स्तरीय एमसीएमसी प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल का। नवल ने यह बात बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कही।

नवल ने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रत्येक राजनैतिक दल के प्रत्याशियों एवं अन्य सभी प्रत्याशियों को चुनावी विज्ञापन का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टीवी चैनल्स, रेडियो एफएम चैनल्स, सिनेमाघरों में प्रसारित किये जाने वाले विज्ञापन, बल्क एसएमएस, ऑडियो अथवा वीडियो संदेश सहित ई-पेपर में दिये जाने वाले विज्ञापनों का भी प्रकाशन एवं प्रसारण से पूर्व कमेटी द्वारा अधिप्रमाणन प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

एमसीएमसी प्रकोष्ठ प्रभारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में प्रमुख राजनैतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गठित एमसीएमसी कमेटी की कार्यप्रणाली एवं निर्धारित विज्ञापन अधिप्रमाणन नियमों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस एवं मतदान दिवस के एक दिन पूर्व समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों के लिए अधिप्रमाणन हेतु 48 घंटे पूर्व आवेदन करना होगा। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विज्ञापन अधिप्रमाणन की प्रक्रिया, प्रारूप एवं नियमों की विस्तृत जानकारी से रूबरू करवाया एवं अधिप्रमाणन ने संबंधित सवालों का भी निस्तारण किया।

खान विभाग में मॉनिटरिंग व्यवस्था होगी चाक चौबंद

जयपुर, (का.सं.)। राज्य के माइंस विभाग द्वारा एक्सप्लोरेशन, ड्रिलिंग, ऑक्शन के लिए ब्लॉक व प्लॉट तैयार करने, ऑक्शन कलेण्डर बनाने, आरसीसी, ईआरसीसी सहित राज्य सरकार के रेवेन्यू कलेक्शन आदि का रोडमेप तैयार कर क्रियान्विति की दैनिक मोनेटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। खान सचिव आनन्दी ने आज निदेशक माइंस श्री भगवती प्रसाद कलाल के साथ खान व भूविज्ञान विभाग के सभी फील्ड अधिकारियों से वर्चुअली रुबरु हुई।उन्होंने कहा कि एक अप्रेल से आंरभ वित्तीय वर्ष में सभी संबंधित क्षेत्रों के लक्ष्य निर्धारित करते हुए क्रियान्विति के साथ ही वित वर्ष के पहले दिन से ही लक्ष्यों की क्रियान्विति की मोनेटरिंग व्यवस्था को चाक चोबंद किया गया है।

उन्होंने विभाग की विजिलेंस व्यवस्था को भी मजबूत करने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन सहित किसी भी तरह के लीकेज को रोकना हमारा दायित्व है और इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने आदर्श आचार संहिता की सख्ती से पालना के निर्देश दिए। खान सचिव आनन्दी ने इस साल हम एक्सप्लोरेशन से लेकर, ड्रिलिंग, बड़े पैमाने पर ऑक्शन का काम हाथ में लेने जा रहे हैं जिससे प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा के अवैध खनन पर रोक लग सके, वैज्ञानिक व वैध खनन को बढ़ावा दिया जा सके और प्रदेश को माइनिंग क्षेत्र सेअधिक से अधिक रेवेन्यू अर्जित हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार को देय रेवेन्यू राशि संग्रहण की नियमित व्यवस्था हो ताकि साल के अंतिम दिनों में वसूली के लिए अधिक प्रयास नहीं करने पड़ै। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड में रहने और आपसी सहयोगव समन्वय से कार्य करते हुए प्रदेश के माइनिंग क्षेत्र को समूचे देख में अग्रणी बनानेका कार्य करना होगा। उन्होंने लक्ष्यानुसार अच्छा राजस्व अर्जन करने वाले कार्यालयों व अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों केबावजूद राजस्व संग्रहण के अच्छे प्रयास किए गए हैं। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत बनाया जाएगा। जहां पर आरसीसी, ईआरसीसीके ठेके अभी तक किसी कारण से नहीं हो पायें हैं वहां इस तरह की व्यवस्था करनी होगी जिससे सरकारी राजस्व की चोरी ना हो सके।

मोदी 5 अप्रैल को चुरू आएंगे

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 5 अप्रैल को चुरू में विशाल "विजय शंखनाद सभा" को संबोधित करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि शुक्रवार को पीएम मोदी सुबह 9:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद हैलीकॉप्टर से चुरू के लिए रवाना होंगे और पुलिस लाइन मैदान में सुबह 10:10 बजे विजय शंखनाद रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान भाजपा के नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके बाद तय कार्यक्रम के अनुसार पीएम मोदी सभा स्थल से सुबह 11:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

राहटकर आज भीलवाड़ा दौरे पर

जयपुर। भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर भीलवाड़ा लोकसभा प्रत्याशी एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल की नामांकन सभा को संबोधित करेंगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर कल सुबह 9:30 बजे भीलवाड़ा के आजाद चौक पर होने वाली विशाल नामांकन सभा को संबोधित करेंगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी कल दोपहर 12:30 बजे राजसमंद लोकसभा प्रत्याशी महिमा विश्वेश्वर सिंह की नामांकन सभा को संबोधित करेंगे।

'तहसीलदार की रिपोर्ट के बावजूद 20 साल में भी क्यों नहीं हटाया कब्जा?'

- हाईकोर्ट ने अलवर यूआईटी सचिव को नोटिस जारी किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर के यूआईटी सचिव को नोटिस जारी कर पूछा है कि तहसीलदार की ओर से आम रास्ते पर अतिक्रमण होने की रिपोर्ट देने के बावजूद भी 20 साल में अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. अंबेडकर जन कल्याणकारी एवं विकास समिति, अलवर की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता राम अवतार ने अदालत को बताया कि अलवर के दाउदपुर से तलेडा जाने वाली साठ फीट चौड़ी रोड पर कई सालों से अतिक्रमण हो रखा है। आम दिनों में राहगीर पास के खाली खेत का उपयोग कर चले जाते हैं, लेकिन फसल खड़ी होने के दौरान अतिक्रमण के चलते रास्ता केवल पांच फीट का ही रह जाता है। जिसके चलते बड़ा चौपहिया वाहन भी वहां से नहीं गुजर सकता। अतिक्रमण के चलते एम्बुलेंस सहित अन्य दूसरे वाहनों को खासी परेशानी उठानी पड़ती है। याचिका में बताया गया कि तत्कालीन तहसीलदार ने जांच कर यहां प्रभावशाली व्यक्ति के फार्म हाउस के कारण सड़क पर अतिक्रमण होना बताया था। तहसीलदार ने 16 मार्च, 2004 को यूआईटी को कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा था। इसके बावजूद अब तक मौके से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है।

स्थानीय निवासी अब तक कई बार स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के लिए शिकायत कर चुके हैं। वहीं अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार आंदोलन तक किया जा चुका है, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने यूआईटी सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

युवक के सिर में बल्ले से वार कर हत्या की

जयपुर । करणी विहार थाना इलाके में देर रात शराब पीकर उत्पात मचा रहे युवक की इंस्पेक्टर के बेटे ने बल्ले से सिर पर वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी युवक फरार हो गया था, जिसको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में मृतक पार्क के पास से गुजरता नजर आ रहा है। इसके बाद आरोपी ने उस पर बल्ले से हमला कर दिया। फुटेज में हमले के दौरान आरोपी के पिता भी नजर आ रहे है। इसके बाद घायल को कार में डालकर ले जाते नजर आ रहे है।

पुलिस के अनुसार जगदम्बा नगर निवासी 35 वर्षीय मोहन लाल पुत्र मुन्ना लाल रजनी विहार में सब्जी का ठेला लगाता है। मोहन नशे का भी आदी बताया जा रहा है। मंगलवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे वह शराब पीकर रजनी विहार में पार्क के सामने उत्पात मचा रहा था। इस पर मोहन के पास में रहने वाले क्षितिज शर्मा से कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद क्षितिज शर्मा अपने मकान में गया और वहां से बल्ला लेकर आया और मोहन पर सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे मोहन लाल गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना के दौरान आरोपी का पिता भी घटना स्थल पर मौजूद था। हमले के बाद आरोपी के परिजनों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के सम्बंध में कामिनी पत्नी मुन्ना लाल ने मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस का कहना है कि जगदम्बा नगर निवासी 35 वर्षीय मोहन पुत्र मुन्ना लाल ने रजनी विहार में ठेला लगा रखा था। रात करीब 10.30 बजे मोहन शराब के नशे में रजनी विहार में पार्क के सामने से गुजर रहा था।

श्री प्रेमभाया सरकार का नगर संकीर्तन धूमधाम से निकला

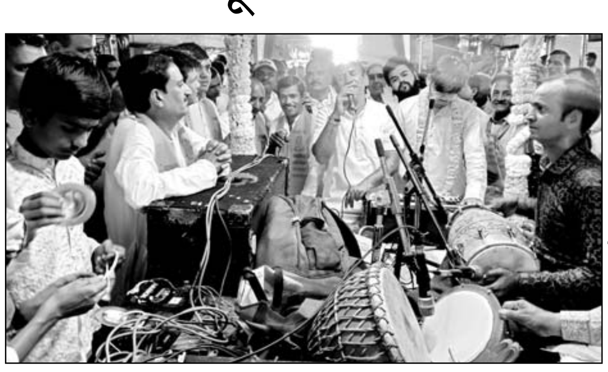

जयपुर । श्री प्रेमभाया मंडल समिति की ओर से आयोजित 84 वें श्री प्रेमभाया महोत्सव के तीन दिवसीय भक्ति संगीत समारोह के तीसरे दिन धूमधाम से नगर कीर्तन निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शाम को महाआरती के साथ शुरू हुए नगर संकीर्तन में श्री प्रेमभाया सरकार का नयनाभिराम श्रृंगार कर रथ में विराजमान किया गया। प्रारंभ में दीपक शर्मा ने भजो राधे गोविंद भजो राधे की टेर लगवाई। लोकेश सैनी ने कद आवोला कन्हैया म्हारे द्वार मैं ठाडी न्हांलू बाठटली..., अभिषेक साहू ने तरस हरयो, दरश दिखाओ गोपीनाथ, कृपा निधान दान मुक्ति को दे, बैकुण्ठ पड़ावो गोपीनाथ.., बनवारी सैनी ने पाछां से मटकी फोड़ी छाने से गागर तोड़ी या काहे की होरी कानूड़ा... , राघव खण्डेलवाल ने ओ रे नंदबाबा ने खिज्यो रे बैठ कदम की डार कान्हो चीर चुरावै रे.. जैसे भजन सुनाकर माहौल को सरस बना दिया। हरि मोहन गोयल, प्रभु चौधरी, चेतन गहलोत सहित अन्य भक्तों ने भी भक्त युगल किशोर शास्त्री की रचनाओं से भक्ति रस बरसाया। नगर संकीर्तन में घर घर से श्री प्रेमभाया सरकार की आरती उतारी गई और पुष्प वर्षा की गई ।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय कमेटी करेगी जांच

मानव अंग प्रत्यारोपण की फर्जी एन.ओ.सी. मामला

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर प्रदेश में मानव अंग प्रत्यारोपण की फर्जी एनओसी मामले एवं निजी अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण प्रकरण के संबंध में जांच के लिए चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। यह समिति 15 दिवस ने जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा, शुभ्रा सिंह ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में गठित इस उच्च स्तरीय कमेटी में रजिस्ट्रार राजस्थान मेडिकल कौंसिल, मानव अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण के प्राधिकृत अधिकारी, वरिष्ठ विधि परामर्शी तथा शासन उप सचिव चिकित्सा शिक्षा को सदस्य एवं नोडल अधिकारी-एनओटीपी को सदस्य सचिव के रूप में नामित किया गया है। यह समिति अंग प्रत्यारोण की फर्जी एनओसी प्रकरण, निर्धारित प्रावधानों के तहत मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए पंजीकृत सभी निजी अस्पतालों के संबंध में निदेशक जनस्वास्थ्य द्वारा गठित निरीक्षण दलों के माध्यम से प्राप्त सत्यापित रिकॉर्ड की विस्तृत जांच करेगी। इसके साथ ही राज्य स्तरीय अधिप्रमाणन समिति की कार्य प्रणाली का परीक्षण कर लाइव ट्रांसप्लांट की मॉनिटरिंग के लिए एसओपी तैयार करने एवं एनओसी प्रक्रिया का विस्तृत अध्ययन कर आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत करेगी। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने स्व प्रसंज्ञान लेते हुए मानव अंग प्रत्यारोपण की फर्जी एनओसी एवं निजी अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण प्रकरण के संबंध में जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर 15 दिवस में रिपोर्ट सौपने के निर्देश दिए थे।

अक्षय पात्र फाउंडेशन ने संयुक्त राष्ट्र में मनाया उत्सव

जयपुर, (का.सं.)। मानव कल्याण और समाज सेवा के क्षेत्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन पिछले 23 सालों से लगातार अहम् भूमिका निभा रहा है, अपने इसी निस्वार्थ सेवा भाव के लिए यह फाउंडेशन देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जानी जाती है। इस संस्था का मकसद यह है कि देश में कोई भी गरीब बच्चा भूख की वजह से अपनी पढ़ाई नहीं छोड़े, अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति के सफ़र में अक्षय पात्र ने हाल ही में पूरी दुनिया में विशेष उपलब्धि हासिल की है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि है चार अरब थाली परोसने की जिसका उत्सव हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में मनाया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम खाद्य सुरक्षा में उपलब्धि: सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत की प्रगति का आयोजन किया। इस आयोजन में भारतीय सामाजिक संगठन अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष मधु पंडित दास, इंफोसिस के संस्थापक सदस्य एनआर नारायणमूर्ति और नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी भी शामिल हुए।

इस खास मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के लिए बधाई सन्देश भेजा, उन्होंने कहा कि उन्हें अक्षय पात्र फाउंडेशन की पूरी टीम पर गर्व और बेहद खुशी महसूस हो रही है। पीएम मोदी ने चार अरब थाली परोसने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के अध्यक्ष अमितासन दास ने इस उपलब्धि पर आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि यह संस्था अपने मकसद में कामयाब हुई है।

चोर गिरफ्तार

जयपुर । हरमाड़ा थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से चोरी का मोबाइल सहित एक बाइक जब्त की गई है। डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया गिरफ्तार आरोपित सुरेश कुमार स्वामी (35) डूंगर सिंह का बास, किशोरपुरा, रेनवाल का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाइल सहित एक बाइक जब्त की गई है।

अवैध हथियारों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत रामनगरिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध हथियारों सहित दो बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से दो देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और 17 जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपित आमजन में भय कारित करने के लिए हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध हथियारों सहित सुनील कुमार मीना निवासी कुडगांव जिला करौली और लव कुमार मीना उर्फ चीकू शीलपुरा निवासी शीलपुरा जिला करौली को थाना इलाके में स्थित वीआईटी कॉलेज रोड से गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और 17 जिंदा कारतूस जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपित आदतन अपराधी है और जिनके खिलाफ करौली जिले में कई थानों में मामले दर्ज है। इसके अलावा आरोपित अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए अवैध हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो वायरल कर आमजन में भव्य व्याप्त करते है।

रामनगरिया पुलिस ने बुधवार को अवैध हथियारों के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले तीन लोग गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। बजाज नगर पुलिस ने एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच-अधिकारी एसआई फूलचंद ने बताया आरोपित नितिन काबरा (35) निवासी ई-24, मंगलम सिटी करधनी, सुनील सैनी (45) निवासी 6ए, पार्वती नगर, मानसरोवर और मोहम्मद असगर (26) निवासी ए-287, वन विहार कॉलोनी, गलता गेट को गिरफ्तार किया गया है। मृतक गोविन्द सैनी (49) निवासी बी-10,आनंदपुरी, मोती डूंगरी एक कंपनी में गाड़ी बेचने का काम करता है। वह इन पैसों को अवैध रूप से अपने बैंक खाते में लेता था। इसी कंपनी में नितिन काबरा अकाउंटेंट है। गोविंद रुपयों को नितिन, सुनील और असगर के साथ बांट लेता था। इस गबन का जब कंपनी को पता चला तो गोविन्द मानसिक अवसाद में आ गया। वहीं, नितिन, सुनील और असगर द्वारा उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया, जिनसे प्रताड़ित होकर उसने जहर खा कर आत्महत्या कर ली।

सार-समाचार

माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर, (का.सं.)। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन की ओर से प्रताप नगर में महिलाओं एवं बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एन.बी.सी. कैफ़े की डायरेक्टर दिव्या गोयल ने महिलाओं को माहवारी के दिनों में स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दी। किशोरियों को मासिक धर्म के बारे में बताया एवं इस सम्बन्ध में खुल कर चर्चा होनी चाहिए ताकि गंभीर संक्रमण या बीमारी से बचा जा सके। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में प्रोफेसर, ट्रस्ट सदस्य एवं मिडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से गत 8 वर्षों में 160 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नि:शुल्क सेनेटरी पैड्स का वितरण किया जा रहा है।एन.बी.सी. कैफ़े की तरफ से 100 महिलाओं को नि:शुल्क सेनेटरी पैड्स भी वितरित किये गए। महासचिव दुर्गा वर्मा ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए अभिनव पहल अच्छे दिन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें कच्ची बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों, स्लम एरिया में जाकर मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक कर सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के महत्व के बारे में किशोरियों और महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा की जा रही है, जिसमें आंगनबाड़ियों, विद्यालयों और गांवों को सम्मिलित किया जा रहा है। इस अवसर पर दिव्या गोयल, दुर्गा वर्मा, सुमन देवी, अंजू वर्मा, पुष्पलता, विद्या देवी, कौशल सत्यार्थी मौजूद रहे ।

भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा का स्वागत

जयपुर । श्री शिव महापुराण कथा समिति के सदस्यों ने जयपुर शहर से भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा का उनके प्रधान कार्यालय पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। समिति के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि मंजू शर्मा समिति की संस्थापक सदस्य और उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। वहीं इस समिति की स्थापना भी मंजू शर्मा के पिता और भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत भंवरलाल शर्मा की प्रेरणा से हुई थी। मंजू शर्मा को जयपुर शहर से लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के निर्णय से समिति के सभी सदस्य अत्यधिक प्रसन्न एवं उत्साहित हैं तथा भगवान शिव से मंजू शर्मा के रिकॉर्ड मतों से विजय होने की प्रार्थना करने के साथ पूरा प्रयास भी करेंगे।

संक्षिप्त

मतदान बूथों का निरीक्षण किया

रतनगढ़, (निसं)। लोकसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार ने बुधवार को रतनगढ़ का दौरा किया। पर्यवेक्षक ने राजकीय मोहनलाल जालान महाविद्यालय स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। पर्यवेक्षक ने स्वंतत्र व निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने हेतु प्रशासन की तैयारियों का जायजा लिया तथा आदर्श आचार संहिता को कड़ाई से लागू करने व निर्वाचन विभाग के निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। पर्यवेक्षक महोदय ने ग्राम पंचायत भवन पड़िहारा मतदान बूथ का भी निरीक्षण किया । निरीक्षण के समय सहायक रिटर्निंग अधिकारी अमित कुमार वर्मा (एसडीएम रतनगढ़) पुलिस उप अधीक्षक अनिल पुरोहित, कुलदीप मरोलिया निर्वाचन शाखा एवम् हिमांशु यादव मौजूद रहे। एसडीएम अमित कुमार वर्मा ने मालासर नाके पर स्थित एस एस टी दल का निरीक्षण किया व उपस्थित प्रभारी से वाहनों की जाँच व जब्ती संबंधी जानकारी प्राप्त की।

जागरूकता दिवस मनाया

सीकर, (निसं)। एन.एच. 52 स्थित लाइफ स्टाईल वेलफेयर संस्था भढ़ाडर में ऑटिज्म (दिव्यांगता) जागरूकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वामी केशवानंद ग्रुप के निदेशक रामनिवास ढ़ाका सहित अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने बताया की समाज में आज भी दिव्यांग लोगों को हीन भावना से देखा जाता है जबकि दिव्यांगजन अपने विवेक और बुद्धि से अनेक उपलिब्धयाँ हासिल कर रहे है ज्ञात रहे केशवानंद संस्थान की दिव्यांग छात्रा बबिता महला ने पैरा तैराकी में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर संस्थान व अपना नाम रोशन किया है। इस अवसर पर प्राचार्य लाइफ स्टाईल वेलफेयर संस्था महिपाल सिंह बिजारणियां, नर्सिंग प्राचार्य महेश कुमावत, डिग्री कॉलेज प्राचार्य ललित किशोर तवंर, प्रधानाचार्य विजेन्द्र सिंह, व्याख्याता राजकुमार, मंजू ढ़ाका सहित ग्रामीणजन व बच्चे उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना में जमीन के फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों से रजिस्ट्री तैयार करने के आरोप में नीमकाथाना न्यायालय ने नीमकाथाना पुलिस थाने को इस्तगासे पर संज्ञान लेते हुए जरिए मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। जिसमें पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। उसमें आरोप लगाया गया है कि नीमकाथाना तहसीलदार महेश ओला व उसके लिपिक अवधेश सोनी ने फर्जी रजिस्ट्री बना दी। इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रक्रिया शुरु कर दी है।

धार्मिक अनुष्ठान शुरू

रतनगढ़, (निसं)। श्याम मंदिर के 58वें वार्षिकोत्सव पर चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान मंगलवार से प्रारंभ हुआ। मंदिर परिसर में चल रही श्याम कथा में व्यासपीठ पर विराजमान कृष्णानंद महाराज ने महात्मा बर्बरीक के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत धर्म का मूल मंत्र यही है कि परमात्मा के प्रति हमारा पूर्ण विश्वास हो। इस दौराने विवेक गौड़,आशा गौड़, रामचंद्र थालोड़, धर्मचंद सिंडोलिया, गोपाल महर्षि, भींवराज भोभरिया, इंद्रचंद धर्ड, सांवरमल तोषावड़ आदि मौजूद थे।

मोदी सरकार के नेतृत्व में देश ने अलग पहचान बनाई है: बालकनाथ

खेतड़ी, (निसं) खेतड़ीनगर के भाजपा कार्यालय परिसर में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से की जा रही तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

■ तिजारा विधायक बोले बूथ स्तर के कार्यकताओं की मेहनत से बनेगी केंद्र की सरकार

भाजपा प्रबंधन समिति व कोर कमेटी के कार्यकर्ताओं की बैठक को विधायक बालकनाथ ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ महाराज थे, जबकि अध्यक्षता विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने की। कार्यकताओं से विधायक बाबा बालकनाथ ने कहा कि, देश की संसद के पहले चरण के चुनाव नजदीक आ गए हैं। केंद्र सरकार ने अपने दस साल के कार्यकाल में देश को प्रगति के पथ पर ले जाने का काम किया है।

पहले एक समय था जब पड़ोसी देश भारत को आंख दिखाकर चुप रहने के लिए मजबूर कर देते थे, लेकिन अब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके चलते आज भारत पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। केंद्र में भाजपा की सरकार रहने से देश आर्थिक रूप से भी मजबूत हुआ है जो विश्व शक्तियों की संख्या में शामिल हो गया है। पार्टी को मजबूत बनाने में अंतिम छोर पर बैठे कार्यकर्ता के महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को संगठित होकर पार्टी की गतिविधियों में भाग लेना चाहिए तथा पार्टी के लिए बेहतर कार्य करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने चुनाव में बेहतर मेहनत करने का आव्हान किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, विधान सभा प्रभारी रतन सिंह तंवर, लोक सभा संयोजक दशरथ सिंह शेखावत, विधान सभा संयोजक शेर सिंह निर्वाण, उपजिला प्रमुख सतवीर गुर्जर, पूर्व पालिकाध्यक्ष विजेश शाह, सुरेन्द्र काजला, विद्याधर , जयदीप गुर्जर, प्रभु राजोता, निखिल शर्मा, मुकेश अवाना, सत्यनारण भार्गव, रोहितास मनकश, देवाराम सैनी, ज्योति भारद्वाज, शशि सैनी, विजेंद्र सैनी, सतीश खरडिया, रामशरण, संजय कुमार, रामनिवास भरगड़ सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

एफ.एस.टी. टीम ने 13 लाख रुपए बरामद किए

पाटन, (निसं)। लोकसभा चुनावों के दौरान बॉर्डर नाकों पर लगी एफ एस टी टीम द्वारा बुधवार को वाहनों की चेकिंग के दौरान लगभग 13 लाख रुपए की राशि बरामद की है।

मीना की नांगल नाके पर लगी सब इंस्पेक्टर पिंकी पुलिस लाइन सीकर एव टीम ने एक बोलेरो वाहन को रोककर जांच की तो उसमें एक लाख रुपए की राशि बरामद की गई, इसके बारे में वाहन मालिक ने बताने से मना कर दिया। वही करजो में मोटा बाबा मन्दिर के पास पाटन थानाधिकारी नेकीराम की सूचना पर ए एस आई मालाराम ने टाटा 709 को रोका तो उसमें 12 लाख 10 हजार 200 नगद मिले,जिसके बारे में पुछे जाने पर व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया। गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों को देखते हुए हर बॉर्डर पर एफ एस टी टीम क्षेत्र में आने जाने वाले वाहनों की जांच करते हैं । दूसरी तरफ सवाल यह भी पैदा होता है कि इन दिनों शादी विवाह का सीजन भी चल रहा है तो लोग अपने अपने रिश्तेदारों से पैसे लेकर भी आ रहे हैं, क्या उनसे बरामद की हुई राशि उन्हें वापस मिलेगी और कब तक मिलेगी। इस बारे में जबाव देही अधिकारियों ने बताया कि बरामद की गई राशि उनको दे दी जाएगी जब वो सम्पूर्ण जानकारी दे देंगे।

सार-समाचार

'मतदान से करें लोकतंत्र को मजबूत'

सादुलपुर, (नि.स)। लोकसभा आम चुनाव-2०24 के दौरान अधिकतम मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने के लिए संचालित स्वीप गतिविधियों अंतर्गत बुधवार को एसडीएम कोर्ट राजगढ में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसमें एसडीएम सुशील कुमार सैनी ने हस्ताक्षर कर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर एसडीएम सुशील कुमार सैनी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हमें लोकसभा चुनाव में आवश्यक तौर पर मतदान कर लोकतंत्र की मजबूती का संदेश देना है। साथ ही संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में बूथ क्षेत्र के मुख्य स्थानों, चौक-चौपालों पर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए यह अभियान का आहवान किया गया है। इस अवसर पर नगरपालिका अधिशांषी अधिकारी सुमेर सिंह श्योराण, नायब तहसीलदार जयप्रकाश, तरूण कुमार उपाध्याय प्रोग्रामर, अश्विनी शर्मा व्याख्याता, हनुमान सिंह श्योराण उपप्राचार्य, कृष्ण दत्त शर्मा स्वीप सह प्रभारी सहित अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित थे।

खुलेआम चल रहे हैं अवैध ढाबा बार

चूरू, (कासं.)। चूरू में पुलिस की मिलीभगत के कारण खुलेआम सड़क किनारे अवैध रूप से ढाबा बार चल रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार सीएम बहड़ सर्किल से भालेरी रोड़ पर बने ढाबों में अवैध रूप से शराब परोसने का काम चल रहा है। यहां एफसीआई गोदाम के पास तो देर रात तक शराबियों का जमघट लगा रहता है। आबकारी और पुलिस विभाग वाले खुद यहां भोजन करने आते बताए। इसी कारण इन ढाबे वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। इसी प्रकार सीएम बहड़ सर्किल (पंखा चौराहा) पर काली कमली आश्रम के आगे स्थित पान की दुकान में भी अवैध रूप से मादक पदार्थों की बिक्री देर रात तक खुलेआम होती है। यहां पुलिस वाले खड़े-खड़े देखते रहते हैं। ऐसा लगता है मानो यहां सारा अवैध कारोबार इन्हीं पुलिस वालों की देखरेख में चल रहा हो। इसी प्रकार जगह-जगह अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। पुलिस और आबकारी विभाग को कुछ भी दिखाई नहीं देता है। यह पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत से ही सम्भव हो सकता है। निर्वाचन विभाग को इस ओर ध्यान देकर दोषी अधिकारियों को तलब करना चाहिए। यह कोई घर की खेती नहीं है जो जिसको छोड़ो उसको छोड़ दो और पकड़ो उसको पकड़ लो।

प्रधानमंत्री कल चूरू आएंगे, तैयारी पूर्ण

चूरू, (कासं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र झाझरिया के समर्थन में 5 अप्रैल को लाइन पुलिस में सुबह 10 बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने बताया कि इस संदर्भ में संपूर्ण तैयारी कर ली गई है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 5 अप्रैल को लाइन पुलिस में होने वाली जन आशीर्वाद रैली की तैयारी बाबत मंगलवार देर शाम भाजपा चुनाव कार्यालय में मंडल अध्यक्ष दीनदयाल सैनी व सुरेश सारस्वत की अध्यक्षता में शहर मंडल की बैठक हुई। बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल, प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला, भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, लोकसभा चुनाव संयोजक ओम सारस्वत, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, मुरलीधर शर्मा, एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, विधानसभा संयोजक पदम सिंह राठौड़, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण, वरिष्ठ नेता फतेहचंद सोती, उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीप चंद्र राहड़, जिला उपाध्यक्ष सत्तार खान, अख्तर खान, नरेंद्र सैनी, सुनील गहलोत मंचस्थ रहे।

अंडरपास निर्माण के लिए धरना दिया

चूरू, (कासं.)। नेशनल हाईवे अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले आसलु रेलवे स्टेशन, आसलु, लाखाऊ व बणी का बास के निवासियों ने दूसरे दिन भी लगातार धरना दिया। धरने पर उपस्थित जनों में रामचन्द्र शर्मा संयोजक, सत्यनारायण पूनियां, लिच्छुराम झाणका, मनवर खान, डॉ. कादिर हुसैन, मैइनुद्दीन पीटीआई, हनीफ खान, सुबेदार भंवरु खान, देवकरण प्रजापत, मौलाना रमजान अली तंवर, हरूदान चारण, असगर खान अखान, इसब खान, सोहनलाल गुजर, आरीफ सैय्यद, लियाक़त अली, सुबेदार इकबाल खान, नवाब अली भाटी, असलम खान, सुबेदार गफ्फार खान, महेश बजाड़ सहित सैंकड़ों लोगों ने भाग लेकर मांग की। उपस्थित जनों में संघर्ष समिति संयोजक ने कहा कि जब तक नेशनल हाईवे पर अंडरपास निर्माण नहीं होगा तब तक नेशनल हाईवे का निर्माण नहीं होने देंगे।

शत-प्रतिशत मतदान करने का आव्हान

लक्ष्मणगढ़ (नि.सं.)। निर्वाचन आयोग एवम् रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम मोहरसिंह मीणा के मार्गदर्शन में स्वीप कॉर्डिनेटर सुरेश कुमार भास्कर ने नेचारपार्क से कर्तव्य पथ पर राष्ट्रहित में समावेशी वोकथान का आयोजन किया गया । मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप वोकथान रैली को उपखण्ड अधिकारी मोहरसिंह मीणा, स्वीप नोडल अधिकारी एवं विकास अधिकारी रामधन डूडी, तहसीलदार फारूक अली खान, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विधाधर शर्मा, नायब तहसीलदार भवानी शंकर शर्मा, स्वीप कॉर्डिनेटर सुरेश कुमार भास्कर, मुख्य ब्लॉक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीशराम, पशुपालन उपनिदेशक डॉ मोहन भोगे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गणगौर पूजन कर निकाली बिंदौरी

चूरू, (कासं.)। शेखावाटी अंचल में गणगौर पर्व को लेकर नव विवाहिताओं व युवतियों में काफी उत्साह देखा गया। महिलायें चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन व व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। वहीं इस पर्व को लेकर युवतियां अच्छे वर की कामना करती हैं। सेजल सर्राफ ने बताया कि होलिका दहन के दूसरे दिन से 16 दिनों तक चलने वाले इस पर्व पर नव विवाहित महिलायें व युवतियां सुबह-शाम गणगौर का पूजन करती हैं। इस दौरान गणगौर को पानी पिलाया जाता है और विशेष लोक गीतों से रिझाया जाता है। इसी क्रम में बुधवार को गणगौर का बिंदौरा निकाला गया। गणगौर के 16 वें दिन कुवों पर गणगौर का विसर्जन किया जाएगा। इस अवसर पर काजल सर्राफ, रेखा बजाज, सरिता, एकता, पूजा, शशि, यशवी, सुलोचना, सरोज, सुशीला, कविता, नेहल, ज्योति आदि मौजूद रहे।

उपखण्ड अधिकारी के विरुद्ध जिला कलैक्टर से मिले प्रोफेसर

चूरू, (कासं.)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उच्च शिक्षा राजस्थान के एक प्रतिनिधिमण्डल ने आज कलैक्टर से मिलकर तारानगर के उपखण्ड अधिकारी रवि कुमार द्वारा मंगलवार को माँ जालपा देवी कॉलेज में आयोजित स्वीप कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. हँसराज परिहार व अन्य शिक्षकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार पर संज्ञान लेने पर जोर दिया।

ध्यान रहे कि मंगलवार को स्वीप कार्यक्रम के सम्बन्ध में उपखण्ड अधिकारी तारानगर रवि कुमार जब महाविद्यालय पहुँचे, उस समय प्राचार्य विश्वविद्यालय परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को पैक कर स्ट्रोंगरूम में रखवा रहे थे, जिसके कारण वे मतदाता

■ तारानगर में शिक्षकों के साथ हुए दुर्व्यहार के मामले ने जोर पकड़ा

जागरूकता कार्यक्रम में थोड़ा विलम्ब से पहुँचे। इस पर उपखंड अधिकारी द्वारा प्राचार्य के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें व उपस्थित अन्य शिक्षकों को सबके सामने अपशब्द कहे गए। उन्होंने परीक्षा कार्य को महत्वहीन बताते हुए सम्पूर्ण परीक्षा प्रणाली को ही नकार दिया। संगठन के प्रतिनिधिमण्डल ने जिला कलैक्टर को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उच्च शिक्षा के प्रदेश महामन्त्री प्रो. सुशील कुमार बिस्सु द्वारा मुख्य सचिव को प्रेषित उस पत्र की प्रति भी सौंपी, जिसमें उपखण्ड अधिकारी पर समुचित कार्रवाई करने की माँग की गई है। प्रो. बिस्सु ने अपने पत्र में कहा है कि राज्य सरकार का मूल ध्येय निष्पक्ष एवं निर्भीक रूप से परीक्षाओं का आयोजन करवाना तथा इस प्रणाली पर जन साधारण में विश्वास स्थापित करना है। ऐसे में उपखण्ड अधिकारी का विश्वविद्यालय की परीक्षा के दौरान दुर्व्यवहार करना और उसे महत्वहीन बताना दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन के प्रदेश सहसंगठन मन्त्री प्रो. सुरेन्द्र सोनी के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमण्डल ने जिला कलैक्टर को कहा कि सभी महाविद्यालय शिक्षक चुनाव कार्य को अत्यधिक गम्भीरता से लेते हैं और मनोयोग से अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। इस स्थिति में उपखण्ड अधिकारी तारानगर का व्यवहार निन्दनीय है। उनके द्वारा पद एवं वेतनमान में वरिष्ठ राजसेवक प्राचार्य के साथ किए गए दुर्व्यवहार से उच्च शिक्षा जगत् में गहरा रोष है।

दोनों अधिकारियों ने आत्मीयता से शिक्षकों का पक्ष सुना और आश्वस्त किया कि निश्चित रूप से उनके सम्मान की रक्षा की जाएगी और उन्हें न्याय मिलेगा। प्रतिनिधिमण्डल में संगठन के प्रदेश सहसंगठन मन्त्री प्रो. सुरेन्द्र सोनी के साथ संगठन के जिला संयोजक डॉ. महेन्द्र खारड़िया, चूरू इकाई के अध्यक्ष प्रो. दिनेश चारण, प्राचार्य डॉ. हँसराज परिहार, प्रो. प्रशान्त शर्मा, प्रो. रविन्द्र कुमार आदि सम्मिलित थे।

केन्द्र की योजनाओं से आमजन लाभांवित : राजेन्द्र राठौड़

मोदी की चूरू सभा को लेकर राजेन्द्र राठौड़ ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

रतनगढ़, (निसं)। आगामी 5 अप्रैल को चुरू में आयोजित होने वाली मोदी की विशाल जनसभा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के रतनगढ़ विधानसभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बुधवार को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, रतनगढ़ के पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि एवं भाजपा चूरू जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बैठक ली।

मोदी की जनसभा को लेकर तैयारी बैठक में मंडल अनुसार सभा में जाने की योजना बनाई गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर हर रोज नेतागण भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है। केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन लाभान्वित हुआ है। पूर्व विधायकमहर्षि ने कहा कि मोदी की सभा को सफल बनाने के लिए तैयारीयों में रतनगढ़ विधानसभा के कार्यकर्त्ता लगे हुए है। मोदी की सभा को लेकर भाजपा कार्यकर्त्ता एवं आमजन उत्साहित व जोश से लबरेज है। भाजपा जिलाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि आज की रतनगढ़ विधानसभा के भाजपा कार्यकर्त्ता की बैठक से लग रहा है कि मोदी की सभा में रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से हजारों कि संख्या में भाजपा कार्यकर्त्ता चुरू जाने वाले है।

■ 'मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर हर रोज नेतागण भाजपा में शामिल हो रहे हैं'

इस अवसर पर भाजपा नेता अर्जुन सिंह फ्रांसा, शिखा बैद, सन्तोष तालनिया, बजरंग गुर्जर, शिवभगवान कम्मा, दीनदयाल पारीक, भागीरथ सिंह राठौड़, हरिप्रसाद दायमा, गिरधारी खिचड, हानीफ खत्री, हिम्मत सिंह मालासी, महेश सैनी, गोपालकृष्ण शर्मा, स्वरूप सिंह सेहला, नन्दलाल सुरोलिया, राकेश गौड़, सुशील इन्दौरिया, सुनील शर्मा, साबू सिंह सेहला, अरविन्द इन्दौरिया, मोहन बबेरवाल, मनोज हारित, दातार सिंह भरपालसर, पवन सिंह कुसुमदेसर, कौशल्या सैनी, उषा शर्मा, सुप्यार चारण, मधु सैन, धनराज इन्दौरिया, देवीलाल मेघवाल, प्रदीप सैनी, साबिर गौरी, प्रवीण शर्मा, मेजर सिंह आदि मौजूद रहे।

महिला मतदाता जागरूकता व हेला टोली का प्रशिक्षण

सीकर, (निसं)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सीकर कमर उल जमान चौधरी के निर्देशानुसार मतदाताओं की सुव्यवस्थित शिक्षा एवं मतदान भागीदारी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बुधवार को सीकर शहर, धोद एवं पिपराली का संयुक्त कार्यक्रम सीकर में प्रधान जी के जाव में आयोजित किया।

कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी कमर उल जमान चौधरी ने बताया कि महिला मतदाता जागरूकता और हेला टोली का प्रशिक्षण का उद्धेश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, राजीविका की महिलाओं को प्रशिक्षित कर घर-घर जाकर मतदाओं को जागरूक करना है तथा आगामी लोकसभा चुनावों में अधिकाधिक मतदान के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि वोटिंग प्रतिशत में देश में सीकर जिले का नाम प्रथम स्थान पर आए, इसके लिए प्रशिक्षित महिलाएं समूह में घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करें एवं अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की अपील करें। जिला निर्वाचन अधिकारी चौधरी ने कहा कि यदि जिले का हर मतदाता यह प्रण कर ले कि मुझे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना है और परिवार समाज के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना है तो हमारा मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ सकता है। कार्यक्रम में जमनालाल एंड पार्टी, गायक अंकित अवस्थी, आंगनबाड़ी की महिलाओं द्वारा लघु नाटिका व मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न मतदाता जागरूकता की प्रस्तुतियां दी गई वहीं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम व मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों में श्रेष्ठ कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र सिंह पुरोहित सहित अधिकारियों ने 'आई एम प्राउड वोटर' व वोट सीकर वोट सैल्फी लेकर आमजन से मतदान करने की अपील की।

■ आंगनबाड़ी महिलाओं ने लघुनाटिका व मतदाता जागरूकता को लेकर अनेक प्रस्तुतियां दी

इस अवसर पर जिला साक्षरता अधिकारी राकेश लाटा, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग धर्मवीर मीणा, सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग राजेन्द्र चौधरी, संजय खीचड़, संजय शर्मा, इमरान अली, सीडीपीओ, सीबीईओ, कलस्टर इंचार्ज राजीविका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, राजीविका समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

हस्ताक्षर करवाए

सादुलपुर। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय सिद्धमुख के द्वारा कस्बे के मुख्य बस स्टेण्ड बाजार, उतरादा फलसा आदि प्रमुख स्थानों पर आने वाली 19 अप्रेल का अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक मतदाताओं के हस्ताक्षर करवाए।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री तारिका सैन की जन्म तिथि 26.05.2012 है, उसके स्कूल रिकॉर्ड में उसका नाम तारामणी दर्ज है। जबकि उसके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में उसका नाम तारिका सैन दर्ज है। तारिका सैन व तारामणी दोनों नाम मेरी पुत्री के ही है तथा इनमें तारिका सैन सही नाम है। अब मैं मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में उसका सही नाम तारिका सैन दर्ज करवाना चाहता हूं।

शपथग्रहिता
रतन लाल पुत्र श्री मुरारी लाल जाति सैन, निवासी जिला पुस्तकालय के पीछे वार्ड नं. 28 नया 36, चूरू राजस्थान

गणगौर महोत्सव धूमधाम से मनाया

सीकर, (निसं.)। श्याम के दीवाने ग्रुप की महिलाओं ने गणगौर उत्सव राधाकिशनपुरा स्थित रामलखन निवास संतोष चिरानिया के निवास स्थान पर बड़ी धूमधाम से मनाया।

गणगौर राजस्थान का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। किरण चिरानिया ने बताया कि इस गणगौर उत्सव का आयोजन व सजावट सभी महिलाओं द्वारा की गई। जिसमें लाल कलर की थीम और फूलों का डेकोरेशन किया गया है। सीमा चिरानिया ने बताया कि इसमें खूब धमाल मस्ती की गई, गेम्स खेले, सेल्फी प्वाइंट पर सभी ने फोटो खिंचवाई। सभी ने भरपूर आनंद लिया। गेम्स गणगौर की थीम पर रखे गए थे, जिसमें लकी मेहंदी कोन, क्विज कांटेस्ट, म्यूजिकल गेम, डांस गेम आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर विमला देवी चिरानिया, निमिषा चिरानिया, किरण चिरानिया, सीमा चिरानिया, मेघा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उषा अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, स्नेहा खेतान, ईशा मित्तल, रीना अग्रवाल, मधु अग्रवाल, इशू अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीति पटवारी, अंकु अग्रवाल, कलावती अग्रवाल, नव्या अग्रवाल, सुनीता पटवारी, कीर्ति फतेहपुरिया, प्रिया अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, नैंसी अग्रवाल आदि महिलाएं मौजूद रही।

श्याम के दीवाने ग्रुप की महिलाओं ने गणगौर उत्सव राधाकिशनपुरा स्थित रामलखन निवास संतोष चिरानिया के निवास स्थान पर बड़ी धूमधाम से मनाया।

झाझड़िया ने प्रचार किया

रतनगढ़, (निसं)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को रोडवेज बस स्टैंड पर लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र झाझडिया के समर्थन में लोकसभा चुनाव में मतदान करने की अपील पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष अरविंद इंदौरिया के नेतृत्व में आमजन से की।

भाजपा के पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष अरविंद इंदौरिया ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि चूरू लोकसभा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए केंद्र में जन जन के मन की भाजपा सरकार हम सबको मिलकर बनानी है ।पार्षद माटोलिया ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्तागण बूथ लेवल पर घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के साथ लोकसभा चुनाव में कमल का बटन दबाकर मतदान करने का आव्हान करेंगे। इस मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरधारीलाल खीचड़, भाजपा नेता मोहनलाल बबेरवाल, शंकर लाल कम्मा, ओमप्रकाश जांगिड़, मनोज हारित, हनुमान बारवाल आदि मौजूद थे।

चोरों ने मंदिर से दानपात्र तोड़कर रुपए चुराए

खेतड़ी, (निसं) । खेतड़ी नगर के सनातन धर्म मंदिर में रात को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखे रूपए पार कर दिए। मंदिर में हुई चोरी को लेकर कमेटी के सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समिति महामंत्री अभिषेक पारीक ने बताया कि सुबह मंदिर में श्रद्धालु विमल शर्मा प्रतिदिन की भाती पूजा करने आए थे । पूजा करने के बाद उनका ध्यान दान पात्र पर पड़ा तो देखा तो की शिवालय का दान पात्र टूटा हुआ है। उन्होंने कमेटी के सदस्यों को फोन किया तो मंदिर कमेटी सदस्य मौके पर पहुंच कर देखा तो दान पात्र का ताला टूटा हुआ था तथा उसमें से रुपए भी गायब थे। इसके बाद जब हनुमान मंदिर के मुख्य गेट का ताला देखा तो वो भी टूटा हुआ था। शिवालय के दानपत्र के पास एक लोहे की रॉड रखी हुई मिली। मंदिर में हुई चोरी को लेकर कमेटी सदस्यों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। चोरी की सूचना मिलने पर खेतड़ीनगर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। इस दौरान मंदिर के मुख्य गेट पर लगे ताले को लोहे की राड़ से तोड़कर चोर मंदिर में घुसने की बात सामने आई है।

इस दौरान दान पात्र टूटने के बाद कमेटी के पदाधिकारियों ने बाकी दान पात्र खोल कर उनमें से रुपए निकाल लिए साथ ही मंदिर में लगे पुराने सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत करवाने व नए सीसीटीवी कैमरे लगवाने को लेकर चर्चा की। कमेटी सदस्यों ने बताया कि चोर अब मंदिरों को निशाना बनाने लगे हैं। ऐसे में पुलिस द्वारा प्रभावी कदम उठाकर वारदात करने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय पारिवारिक न्यायालय क्रम सं.5 जयपुर
मीना विरूद्ध सुनील
वाद/प्रार्थना पत्र धारा 13HNA
प्रार्थना-पत्र संख्या प्र.सं.54/22 सन्
(CPS No.4208/23)

नाम सुनील शर्मा पुत्र गोकुल चन्द शर्मा जाति ब्राह्मण पता-निवासी मकान नंबर 4/595, जवाहर नगर, जयपुर, दूसरा पता-लक्ष्मण जी का मंदिर, ग्राम-छापोली, तहसील-उदयपुर वाटी, जिला झुंझुनू (राज.)

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न नहीं है।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 23 माह 04 सन् 2024 को 8 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज दिनांक 02 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय क्रम-5
जयपुर महानगर प्रथम

मयंक यादव को वर्ल्ड कप टीम में होना चाहिए लेकिन उनकी फिटनेस पर काफी कुछ निर्भर करेगा। मयंक ने दो मैच में 6 विकेट लिए हैं।
-वीरेन्द्र सहवाग

भारतीय क्रिकेटर, मयंक यादव की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एम. सिद्धार्थ

एलएसजी के युवा स्पिनर एम सिद्धार्थ का विराट कोहली को आउट करना किसी सपने से कम नहीं है। ये बात गेंदबाज ने खुद स्वीकार की है। लेकिन इस विकेट को लेने के पीछे की काहानी भी उतनी दिलचस्प है। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर ने हाल ही में इसका खुलासा किया है। दरअसल, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को एम सिद्धार्थ ने अपनी स्पिन के जादू में फंसा दिया। महज 22 रनों के निजी स्कोर पर सिद्धार्थ ने कोहली को आउट कर दिया। विराट इन दिनों बेहतरीन फॉर्म में हैं और ऑरेंज कैप भी उन्हीं के सिर पर है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

कोलकाता की लगातार तीसरी जीत
दिल्ली को 106 रन से हराया

विशाखापटन, 3 अप्रेल। कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-2024 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 16वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 106 रन से हराया। इस लीग में ने को 3 साल बाद हराया है। टीम को आखिरी जीत 2021 में मिली थी। विशाखापट्टनम के डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को कोलकाता ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 272 रन बनाए।

टीम ने का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। यह कोलकाता का इस लीग में सबसे बड़ा स्कोर है। जवाबी पारी में दिल्ली की टीम 17.2 ओवर में 166 रन पर ऑलआउट हो गई। सुनील नरेन ने 39 बॉल पर 7 चौके और 7 छक्के के सहारे 85 रन बनाए, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 27 बॉल पर 54 रन बनाए। आंद्रे रसेल ने 19 बॉल पर 41 रन की पारी खेली। वहीं रिंकू सिंह ने 8 बॉल पर 26 रन बनाए। एनरिक नोर्त्या ने तीन विकेट झटके, जबकि ईशांत शर्मा को 2 विकेट मिले। के कप्तान ऋषभ पंत (55 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (54 रन) ने अर्धशतक जमाए। वरुण वक्रवर्ती और वैभव अरोड़ा ने 3-3 विकेट झटके।

18वें ओवर की दूसरी बॉल पर रसेल ने एनरिक नोर्त्या का विकेट लेकर अपनी टीम को 106 रन की जीत दिला दी है। यह दिल्ली की लगातार तीसरी जीत है। 17वें ओवर में दिल्ली ने 9वां विकेट गंवाया। वैभव अरोड़ा ने इस ओवर की पहली बॉल पर रसिख सलाम को सॉल्ट के हाथों कैच कराया। 16वें ओवर की पहली बॉल पर दिल्ली ने 8वां विकेट गंवाया। यहां सुनील नरेन ने सुमित कुमार (7 रन) को मनीष पांडे के हाथों कैच कराया।15वें ओवर की आखिरी बॉल पर ट्रिस्टन स्टब्स 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वरुण चक्रवर्ती ने स्टार्क के हाथों कैच कराया। यह वरुण का तीसरा विकेट है और दिल्ली को 7वां झटका लगा है।

14वां ओवर डालने आए सुनील नरेन के एक ओवर में तीन छक्के पड़े। स्टब्स और सुमित की जोड़ी ने इस ओवर में 19 रन बटोरे। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 148/6 रहा। 13वां ओवर लेकर आए वरुण चक्रवर्ती ने एक ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने 55 रन बना चुके पंत को आउट करके 90 की साझेदारी तोड़ी। फिर नए बल्लेबाज अक्षर पटेल को पवेलियन भेज दिया। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 129/6 रहा।

कुर्सी पर गुस्सा उतारते नजर आए किंग कोहली

विशाखापटनम, 3 अप्रेल । रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम मंगलवार को आईपीएल 2024 में अपना तीसरा मुकाबला हार गई है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में बेंगलुरु को 28 रन से हराया। लखनऊ द्वारा मिले 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु की टीम 153 रन ही बना सकी। जारी सीजन में बेंगलुरु की ये लगातार दूसरी हार है। मंगलवार को लखनऊ के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों ने खराब प्रदर्शन किया। पूर्व कप्तान विराट कोहली ड्रेसिंग रूम में काफी दुखी नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत हार के साथ की। पहले ही मैच में चेन्नई ने उसे हराया। दूसरे मैच में आरसीबी ने पंजाब को हराया। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। अगर टीम को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे अपने अगले मुकाबले जीतने होंगे, क्योंकि इस बार प्लेऑफ के लिए कड़ी टक्कर होने वाली है। आरसीबी की गेंदबाजों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया है। यही हाल बल्लेबाजों का भी रहा है। विराट कोहली के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी से नहीं खेला है। विराट ने दो फिफ्टी लगाई है। लेकिन फाफ डुप्लेसी, कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बड़े नाम फ्लॉप रहे हैं। इस बीच विराट कोहली का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह काफी निराश दिखाई दे रहे हैं।

चोटिल होने के कारण शिव मावी हुए लीग से बाहर

नई दिल्ली, 3 अप्रेल । लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शिवम मावी इंडियन प्रीमियर लीग 2024 से बाहर हो गए हैं। शिवम मावी चोट के चलते आईपीएल के 17वें सीजन से बाहर हो गए हैं। उन्होंने इस सीजन में एक भी मैच नहीं खेला है। शिवम मावी आईपीएल 2024 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा बने थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के खिलाफ जीत दर्ज की। शिवम मावी को लेकर लखनऊ सुपर जायंट्स ने आधिकारिक बयान में कहा कि, दुर्भाग्य से चोट के चलते शिवम मावी आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने ऑक्शन के दौरान हमें ज्वाइन किया था और सीजन के आगाज से पहले प्री-सीजन कैंप का हिस्सा भी बना था। शिवम मावी हमारी स्क्वॉड का अहम हिस्सा थे, इसलिए शिवम के साथ-साथ हम भी दुखी हैं कि उनके लिए ये सीजन काफी जल्द खत्म हो गया। हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्द बेहतर हो कर लौटे।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 192 रन से हराया

चटगांव, 3 अप्रेल। श्रीलंका के गेंदबाज लाहिरू कुमारा के चार विकेट और कामिंडु मेंडिस के तीन विकेटों की बदौलत दूसरे टेस्ट मैच में बंगलादेश को 192 रनों से करारी हरा दी। जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन बंगलादेश ने सात विकेट पर 268 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया और 50 रन जोड़कर मेजबान टीम ने अपने आखिरी तीन विकेट गवां दिये। कामिंडु मेंडिस ने तैजुल इस्लाम 14 रन को आउट कर बंगलादेश को आठवां झटका दिया। उसके लाहिरू ने हसन महमूद छह रन और खालिद अहमद दो को आउट कर बंगलादेश की पारी को 318 रन पर समेट दिया। मेहदी हसन मिराज ने बंगलादेश के लिये दूसरे पारी में सबसे अधिक नाबाद 81 रनों की पारी खेली।

श्रीलंका के लाहिरू कुमारा ने दूसरी पारी में चार विकेट लिये। जबकि कामिंड मेंडिस के खाते में तीन और प्रभात जयसूर्या ने दो विकेट झटके। विश्वा फर्नांडो ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ओवर में ओपनर दिमुथ करुणारत्ने चार का विकेट गवां दिया। इसके बाद खालिद अहमद ने तीसरे ओवर में कुसल मेंडिस दो रन को बोल्ड आउट किया। निशान मदुश्का 34 रन बनाकर आउट हुये। दिनेश चांडीमल और कामिंदु मेंडिस नौ-नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। श्रीलंका ने सात विकेट पर 157 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी।

पहली पारी के आधार उसने बंगलादेश को 511 रनों के लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में बंगलादेश के बल्लेबाजों ने पिच पर टिकने के प्रयास किया, लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे उन्होंने घुटने टेक दिये। मोमिनुल हक 50 रन, लिटन कुमार दास 38 रन, शाकिब अल हसन 36 रन, नजमुल शान्तो 20 रन और ज़ाकिर हसन 19 रन बनाकर आउट हुये। सातवें विकेट के रूप में शहादत हुसैन 15 रन को कामिंडु ने पगबाधा आउट किया। टेस्ट मैच के तीसरे दिन श्रीलंकाई गेंदबाजों असिथा फर्नांडो के चार विकेट, विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा और प्रभात जयसूर्या ने दो-दो विकेट चटाते हुए बंगलादेश की पहली पारी को 178 रन पर समेट दिया। उसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। उसके बल्लेबाजों की बंगलादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद और खालिद अहमद ने खूब खबर ली और किसी को भी पिच पर टिकने नहीं दिया। हसन महमूद ने 51 रन देकर चार विकेट और खलिद अहमद 29 रन देकर दो विकेट की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर मैच पर पकड़ बनाने का प्रयास किया।

श्रीलंका ने पहली पारी में कुसल मेंडिस 93 रन, कामिंडु मेंडिस नाबाद 92 रन, दिमुथ करुणारत्ने 86 रन, कप्तान धनंजय डीसिल्वा 70 रन और दिनेश चांदीमल 59 रनों की शानदार परियों के दम पर 531 रन बनाये थे। बंगलादेश ने पहली पारी में जाकिर हसन ने 54 रन, मोमिनुल हक 33 रन, तैजुल इस्लाम 22 और महमुदुल हसन जॉय 21 रनों का योगदान दिया। श्रीलंका को पहली पारी के आधार पर 353 रन की बढ़त मिली थी।

हार्दिक सिंह ने करियर को दिशा देने का श्रेय जुगराज सिंह को दिया

नई दिल्ली, 3 अप्रेल । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह को अगर अपने मामा और भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह से समय पर सलाह नहीं मिलती तो वह 2017 में ही नीदरलैंड चले जाते जब वह राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी।

जालंधर के खुसरोपुर गांव के रहने वाली मिडफील्डर हार्दिक ने कहा कि अगर उनके मामा जुगराज उन्हें एकाग्र रहने के लिए प्रेरित नहीं करते तो वह भारत के लिए खेलने का अपना सपना छोड़ने की कगार पर थे। हार्दिक ने 'पीटीआई' से विशेष बातचीत में कहा, ''14 साल की उम्र में मोहाली हॉकी अकादमी से जुड़ने के बाद मैं सब-जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक अच्छी गति से आगे बढ़ा। लेकिन कुछ वर्षों के बाद, मैंने खुद को ऐसी स्थिति में पाया जहां मैंने आत्मविश्वास खो दिया था क्योंकि राष्ट्रीय शिविर के लिए नजरअंदाज किया जा रहा था। साथ ही उन्होंने कहा, उस समय, 2017 में, मैंने क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड में स्थानांतरित होने के बारे में सोचा था। मैंने भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद छोड़ दी थी।

अगर उन्होंने (जुगराज) उस समय मेरा मार्गदर्शन नहीं किया होता तो मैं यहां नहीं होता। जब आप अच्छा कर रहे होते हैं तो आपको अच्छे मार्गदर्शन की जरूरत होती है।'' हार्दिक ने कहा, ''उन्होंने मुझे देश में हॉकी को और अधिक देखने तथा अपने खेल में सुधार करने की सलाह दी। उस समय मैं 18-19 साल का था इसलिए मैंने सोचा कि स्वयं को कुछ और समय दिया जाए।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (जुगराज) मुझसे कहा कि उम्र आपके पक्ष में है। आपके पास खेल है, आप भारत में रहकर भी चमक सकते हैं। घरेलू टीमों के लिए खेलें और अपना कौशल दिखाएं ताकि लोग आपके बारे में जान सकें।'' इस मिडफील्डर ने कहा, ''अगर उनका मार्गदर्शन नहीं होता तो मैं आज यहां नहीं होता।

11 साल की उम्र में छोड़ा घर, माता-पिता दोनों इंडियन प्लेयर, पहली ही पारी में ठोकी फिफ्टी

विशाखापट्टनम, 3 अप्रेल । आमतौर पर मायानगरी मुंबई में लोग बॉलीवुड में करियर बनाने पहुंचते हैं, लेकिन दिल्ली में पैदा हुए अंगकृष रघुवंशी जब 11 साल की उम्र में मुंबई पहुंचे तो उनके इरादे कुछ और ही थे। अब 3 अप्रैल की रात जब उन्होंने अपनी पहली ही आईपीएल पारी में सिर्फ 25 गेंद में फिफ्टी ठोकी तो बॉलीवुड के किंग खान भी उनके सम्मान में खड़े हो गए। सिर्फ 18 साल के अंगकृष रघुवंशी का वैसे तो आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में बतौर इम्पैक्ट प्लेयर आईपीएल डेब्यू हो चुका था, लेकिन बैटिंग करने का पहला मौका बुधवार रात मिला। जहां दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए दाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज 27 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हुआ। इस दौरान अंगकृष ने 200 की प्रचंड स्ट्राइक रेट से पांच चौके और तीन छक्के भी उड़ाए। भारत ने 2022 में हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल जीता था। उस टूर्नामेंट में अंगकृष स्टार बनकर उभरे थे। यूगांडा के खिलाफ मैच में उन्होंने 144 रन की पारी खेली थी। वर्ल्ड कप के उस सीजन में अंगकृष भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे, जिन्होंने 6 मैच में 46.33 की शानदार औसत के साथ 278 रन बनाए थे।

श्रीलंका की जीत से टेस्ट चैम्पियनशिप की अंकतालिका में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज बुधवार को खत्म हो गई। श्रीलंका ने मेजबानों के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल कर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप की अंक तालिका में बड़ा बदलाव किया। इससे पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान हुआ है जबकि भारत अभी भी टॉप पर काबिज है। बता दें कि, श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन 192 रन से जीत लिया। इससे पहले टीम ने पहला मुकाबला 328 रन से जीता था। श्रीलंका इस जीत के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इससे पहले टीम 33.33 अंक प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर थी।

कोच से किया विराट कोहली को आउट करने का वादा, फिर सिद्धार्थ ने कर दिया कमाल

नई दिल्ली, 3 अप्रेल । एलएसजी के युवा स्पिनर एम सिद्धार्थ का विराट कोहली को आउट करना किसी सपने से कम नहीं है। ये बात गेंदबाज ने खुद स्वीकार की है। लेकिन इस विकेट को लेने के पीछे की काहानी भी उतनी दिलचस्प है। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर ने हाल ही में इसका खुलासा किया है। दरअसल, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को एम सिद्धार्थ ने अपनी स्पिन के जादू में फंसा दिया। महज 22 रनों के निजी स्कोर पर सिद्धार्थ ने कोहली को आउट कर दिया। विराट इन दिनों बेहतरीन फॉर्म में हैं और ऑरेंज कैप भी उन्हीं के सिर पर है।

ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि लखनऊ के दिए 182 रन के लक्ष्य को विराट कोहली के लिए हासिल करना आसान होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने खुलासा किया कि उन्होंने स्पिन गेंदबाज से विराट कोहली को आउट करने केबारे में पूछा था और सिद्धार्थ ने बिना सोचे हां में जवाब दिया था। लैंगर वीडियो में सभी को बता रहे हैं कि, सिद्धार्थ को लेकर मेरे मुंह से जो पहली बात आती है वह है, मैंने उससे कभी बात नहीं की थी। मैंने उन्हें आर्म बॉल कराते हुए देखा और कहा कि, हे सिड, तुम्हें लगता है कि तुम हमारे लिए विराट कोहली को आउट कर सकते हो? उसने कहा कि येस सर और जैसा कि आपको पता है, उन्होंने विराट को आउट किया।

पंजाब के बल्लेबाजों के सामने गुजरात के गेंदबाजों की कड़ी चुनौती

अहमदाबाद, 3 अप्रेल । आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2024 का 17वां मुकाबला खेला जाएगा। वहीं गुजरात की टीम को गेंदबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। पंजाब किंग्स ने विरोधी के मैदान पर अपने पिछले दो मुकाबले गंवाए हैं और टाइटंस के खिलाफ हार से उसकी राह मुश्किल हो सकती है।

दूसरी तरफ टाइटंस की टीम पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद पर सात विकेट की आसान जीत के बाद आत्मविश्वास से भरी है। पंजाब किंग्स की टीम के पास पिछले मैच में मयंक की गति का कोई जवाब नहीं था और उसके शीर्ष क्रम के अधिकांश बल्लेबाज नियमित रूप से 150 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे इस तेज गेंदबाज का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे। मयंक बल्लेबाजों के शरीर को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा के सामने पंजाब किंग्स को अलग तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। मोहित नकल बॉल, धीमे बाउंसर और वाइड यार्कर का काफी अच्छा इस्तेमाल करते हैं और इस साल आईपीएल में मयंक के अलावा ऐसे तेज गेंदबाज अधिक सफल रहे हैं जो अच्छी धीमी गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। इससे शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा जिन्हें गेंद का बल्ले पर आना पसंद है।

पिछले मैच में पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट के बाद अगर लियाम लिविंगस्टोन अनुपलब्ध रहते हैं तो पंजाब की मुसीबत और बढ़ जाएगी। पंजाब को इसके अलावा राशिद खान और नूर अहमद की फिरकी का भी सामना करना होगा। टाइटंस की टीम में शामिल अफगानिस्तान के तीसरे खिलाड़ी अजमतुल्लाह ओमरजई अपने ऑलराउंड कौशल से पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। पंजाब की बल्लेबाजी से अधिक चिंता का विषय उसकी गेंदबाजी है, विशेषकर डेथ ओवरों में।

मुस्तफिजुर रहमान का सनराइजर्स के खिलाफ खेलना संदिग्ध

नयी दिल्ली, 3 अप्रेल । चेन्नई सुपर किंग्स(सीएसके) के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान टी-20 विश्वकप से पहले वीजा लेने के संबंध में स्वदेश लौट गए हैं ऐसे में उनका शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले अगले मैच में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है।

मुस्तफिजुर ने अपनी कटर्स और अधिक गति से सीएसके के आक्रमण को धार दी है। वह तीन मैचों में 15.14 की औसत और 8.83 की इकॉनमी से सात विकेट लेकर शीर्ष पर हैं।

सीएसके के लिए शुरुआत करते हुए सात में से चार विकेट उनके 10 गेंद के भीतर आए है। यह कारनामा उन्होंने 22 मार्च को चेपॉक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पहले मैच में किया था। वह आईपीएल 2024 की नीलामी में बिकने वाले इकलौते बंगलादेशी क्रिकेटर हैं।

मुस्तफिजुर की अनुपस्थिति में सीएसके श्रीलंका के मिस्ट्री स्पिनर महीश थीक्षणा को हैदराबाद के खिलाफ खिला सकती है। इसके अलावा इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर मोईन अली भी एक विकल्प है। सीएसके के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने कहा, आपके लाइन-अप में सभी तरह के विकल्प होना बहुत महत्वपूर्ण है। आप यह समायोजन कर सकते है। यह आपकी टीम को संतुलन देता है। अगर आप ये समायोजन नहीं कर सकते तो आपके पास जो है आप उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास एक अच्छी बल्लेबाज़ी मज़बूती है, शीर्ष क्रम पर ऑलराउंडर हैं, तो यह हमारे संतुलन में बड़ा अंतर पैदा करता है। हकीकत यह है कि वे बहुत अलग हैं, बाएं हाथ के गेंदबाज का होना अहम है, कई तरह की धीमी गेंद होती हैं लेकिन जो मुस्तफिजुर और मथीशा करते हैं वह विशेष है। कोई उनका सामना नहीं करना चाहता, हमारे बल्लेबाज उनका सामना नहीं करना चाहते और मैं कह सकता हूं कि विरोधी टीम भी उनका सामना नहीं करना चाहती।

'भाजपा जालोर सिरोही में जवाई बांध का पानी लाएगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जालोर-सिरोही के भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी की नामांकन सभा में घोषणा की

जालोर, 3 अप्रेल (कासं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालोर सिरोही के भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी की नामांकन सभा को सम्बोधित किया। जालोर शहर के भगत सिंह स्टेडियम में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ व लूट की पार्टी है। प्रदेश में कांग्रेस कार्यकाल में भ्रष्टाचार बढ़ने के साथ महिला अत्याचार की घटना बढ़ी हैं। भाजपा सरकार आने के बाद भ्रष्टाचार व महिला अत्याचार की घटनाओं पर अंकुश लगा है। उन्होंने कहा, जालोर - सिरोही में जल की समस्या का समाधान करने के लिए माही व जवाई का पानी लाने का भाजपा वादा करती है।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार को साढे तीन महिने हुए हैं, लेकिन हमने करीब अस्सी प्रतिशत वादे पुरे किये है। भजनलाल ने अशोक गहलोत पर निशाना साधा और कहा, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत अपने पुत्र को अपने गृह जिले से भी नही जिता सके। पानी की समस्या हल करने के लिए प्रधानमंत्री से आग्रह कर दो साल जल जीवन योजना को बढाया गया। ताकि पानी की समस्या से किसी को भी नही जुझना पड़े। एक साल में हमारा लक्ष्य जवाई व माही का पानी लाना होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी हटाने की कई लोक कल्याणकारी योजनाएं शुरु की हैं इसलिए भाजपा के प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी को विजयी बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ मजबूत करें।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी सभा को सम्बोधित किया और कहा कि भाजपा का शासन आने के बाद आतंकवाद पूर्ण रूप से समाप्त हुआ। धारा 370 समाप्त की, भगवान श्रीराम का भव्य राम मंदिर बना। कांग्रेस हमेशा सनातन के खिलाफ रही है। अब यह लड़ाई पार्टी की नही दो विचार धाराओं की लड़ाई है। उन्होंने लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आव्हान किया। उन्होने कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि म्हारे जोधपुर से एक टाबर आपरे अटे आयो है कही गुम नही होने देना। उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री को यह बता दो कि जालोर में आपने कोई विकास नही किया। इसलिए आपके पुत्र को वोट मिलने वाले नही हैं। वही मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि कांग्रेस राज में पत्थर लगाने का काम किया है। जो भी पत्थर लगे हैं वे सभी कार्य अभी तक अधुरे पड़े है। उन्होने कहा कि किसान जवाई बांध के पानी को लेकर धरने पर बैठे थे। उस समय पुखराज पाराशर किसानो को मुख्यमंत्री से वार्ता करने का कह कर जयपुर लेकर गये तथा वहा एक कमेटी गठन का कहकर धरना समाप्त करवा दिया। जबकि कमेटी का गठन आज दिन तक नही हुआ। कांग्रेस राज में विकास कार्य नही हुए।

नामांकन सभा को सांसद देवजी पटेल, प्रदेश मंत्री के. के. विश्नोई, ओटाराम देवासी, शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड, आबू पिण्डवाडा विधायक समाराम गरासिया, सांचोर विधायक जीवाराम चौधरी, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, पूर्व विधायक नारायणसिंह देवल, जगसीराम कोली, पुराराम चौधरी, अमराराम चौधरी, महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भण्डारी, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष दामादोर भूतडा, पूर्व मंत्री प्रभूलाल सैनी, जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी सहित अन्य ने सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा करीब सवा चार बजे मंच पहुंचे। देर से मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद भी लोगो की भीड़ नजर आई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालोर के भगतसिंह स्टेडियम में स्थानीय भाजपा उम्मीदवार लुम्बाराम चौधरी की नामांकन सभा को सम्बोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने दावा किया कि, अभी प्रदेश भाजपा सरकार को सत्ता में आये साढ़े तीन महीने ही हुये हैं, लेकिन हमने करीब 80 फीसदी वादे पूरे किये हैं। मु.मंत्री ने वैभव गहलोत पर तंज करते हुये कहा, "म्हारे जोधपुर से एक टाबर आपरे अठे आयो है, बीने कहीं गुम नहीं होने देणा।"

- **मुख्यमंत्री ने अशोक गहलोत पर कटाक्ष किया कि, वे अपने गृह जिले में भी अपने बेटे को नहीं जिता पाए।**
- **केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी सभा को संबोधित किया और वैभव गहलोत के जोधपुर से जालोर-सिरोही आने पर कहा, जोधपुर से एक टाबर आपरे अठे आयो है। उन्होंने कहा, गहलोत को बता दो आपके बेटे को यहां वोट नहीं मिलेंगे, क्योंकि आपने काम नहीं किया।**

10 साल में रक्षा निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ा

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को गाजियाबाद में आयोजित एक रैली में दावा किया कि भाजपा एक ऐसा भारत बनाना चाहती है जो वैश्विक समुदाय का नेतृत्व कर सके।

उन्होंने गर्व से यह उल्लेख किया कि दस वर्ष पूर्व भारत के रक्षा निर्यात महज 600 करोड़ रूपयों के थे जो अब बढ़कर 21,000 करोड़ रूपयों से अधिक हो गए है।

राजनाथ सिंह ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने भारत की अर्थव्यवस्था का विश्व में 11वें से 5वें स्थान पर आना सुनिश्चित किया और अब इसके वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नीति आयोग एवं वैश्विक रिपोटर्स के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठना सुनिश्चित किया है।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वादे को पूर्ण करने का भी श्रेय दिया। जनसंघ के दिनों से ही पार्टी की प्रतिबद्धताओं में से यह एक था।

उन्होंने उन लोगों की आलोचना की जिन्हें आशंका रहती है कि सरकारी एजेन्सियाँ जानबूझकर गिरफ्तारियाँ करती है। उन्होंने ऐसे लोगों को सलाह दी कि वे अदालतों में जाकर विधिक प्रक्रिया अपनाएं। उन्होंने ध्यान दिलाया कि ऐसे लोगों की अधिकांश अपीलें ठोस साक्ष्य के अभाव में खारिज हो जाती हैं।

- **केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गाज़ियाबाद की एक जनसभा में यह दावा किया और कहा कि, दस साल में रक्षा निर्यात 600 करोड़ रू. से बढ़ कर 21,000 करोड़ रू. का हो गया है।**

शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते की समीक्षा बैठक हुई

शेखावाटी क्षेत्र के लोगों तक यमुना जल समझौते का पानी पहुंचाने की योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक की। जल संसाधन विभाग यमुना नदी के पानी की पाइपलाइन रेलवे लाइनों के सहारे -सहारे बिछाने की योजना पर काम कर रहा है।

- **बैठक में रेल्वे ट्रैक के साथ पाइप लाइन बिछाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।**
- **जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने रेल्वे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।**
- **अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि, रेल्वे ट्रैक के किनारे 302 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन बिछाने की योजना है।**

जयपुर, 3 अप्रेल। जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित कक्ष में शेखावाटी के पेयजल हेतु यमुना जल समझौते को अमली जामा पहनाने के लिए रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने बताया कि, इस समझौते के तहत लगभग 350 मिलियन क्यूबिक मीटर (एम.सी.एम.) जल उपलब्ध होगा तथा तीन मीटर चौड़ाई की तीन पाइपलाइन द्वारा यमुना जल शेखावाटी क्षेत्र में आएगा। यह प्रयास किया जा रहा है कि, एक पाइप लाइन के माध्यम से सम्बन्धित क्षेत्र में आने वाले जलाशयों को यमुना जल से भरा जा सके ताकि शेखावाटी पेयजल की इंदिरा गाँधी नहर परियोजना (आई.जी.एन.पी.) पर निर्भरता कम हो सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि, योजनान्तर्गत रेलवे ट्रैक के किनारे 302 किलोमीटर की पाइप लाइन बिछाई जाएगी।

इसके लिए रेलवे यार्डों को बाइपास करते समय पाइप लाइन बिछाने के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे करीब 68 किलोमीटर लम्बाई उपलब्ध है तथा करीब 95 किलोमीटर लूप लम्बाई सहित लगभग 252 किलोमीटर एनएच/एसएच/ वीआर/निजी भूमि की आवश्यकता होगी। उत्तर पश्चिमी रेलवे के मुख्य अभियंता रतनलाल मीणा ने कहा कि, ट्रैक की सुरक्षा रेलवे के लिए बड़ा मुद्दा है, इसलिए उन्होंने, रेलवे ट्रैक को पाइप लाइन से अलग करने के लिए पूरी लम्बाई में दीवार बनाने का सुझाव दिया।

बैठक में इस बातको लेकर चिंता व्यक्त की गई कि, घनी आबादी वाले क्षेत्रों तथा पुलों एवं रेलवे लाइन के नीचे से गुजरने वाली सड़कों के किनारे रेलवे ट्रैक के साथ पाइप लाइन का गुजरेगी।

मुख्य अभियंता, जल संसाधन, भुवन भास्कर ने कहा कि, यमुना जल समझौते के तहत शेखावाटी क्षेत्र को, पेयजल एवं सिंचाई के लिए हथिनी कुण्ड से पाइप लाइन के माध्यम से सम्बन्धित क्षेत्रों में जल उपलब्ध कराया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि, हथिनी कुण्ड से हिसार तक मौजूद कैनाल के साथ- साथ पाइप लाइन बिछाने की संभावना तलाशें। उत्तर पश्चिमी रेलवे के मुख्य अभियंता मीणा ने मानचित्र के माध्यम से रेलवे ट्रैक की स्थिति, पाइप लाइन के क्षेत्र में आने वाले स्ट्रक्चर, अण्डर पास की स्थिति के बारे में तथा इस परियोजना से जुड़ी रेलवे की समस्याओं के बारे में अवगत कराया।

बॉक्सिंग खिलाड़ी विजेंदर सिंह भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली, 3 अप्रैल (वार्ता)। पूर्व कांग्रेस नेता एवं बॉक्सिंग खिलाड़ी विजेंदर सिंह बुधवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय मीडिया के सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख, विधायक एवं लोकसभा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी और दिल्ली भाजपा प्रदेश के वरिष्ठ नेता राजीव बब्बर की उपस्थिति में वह भाजपा में शामिल हुए।

तावड़े ने भाजपा परिवार में उनका स्वागत करते हुए कहा कि सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान देने के लिए भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वायनाड में राहुल गांधी एसडीपीआई का समर्थन ले रहे हैं, जो प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की राजनीतिक सहयोगी मानी जाती है। टुकड़े-टुकड़े गैंग के प्रति कांग्रेस का प्रेम जारी है।

राष्ट्रीय महासचिव ने इंडिया समूह पर हमला बोलते हुए कहा कि यह विडंबना है कि गांधी के खिलाफ उनके ही गठबंधन के सहयोगी दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विज्ञापन में उनके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का फोटो नहीं है। क्या कांग्रेस को ये डर है कि किसी नेता की फोटो लगाने से कांग्रेस के वोट कम होने वाले हैं? सिंह ने मोदी, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह उनकी घर वापसी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज जिस तरह से देश-विदेश में खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ा है, वह सराहनीय है।

कांग्रेस व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की राजनीति होती है। इसलिए आज कांग्रेस में कोई काम नहीं करना चाहता और आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक कुलदीप धनखड़ और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद थे।

रॉबर्ट वाड्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए कांग्रेस पार्टी गठबंधन करने के लिए बहुत बेचैन रही है।

उत्तर प्रदेश की इन्चार्ज, ए.आई.सी.सी. महासचिव रहीं प्रियंका गाँधी, अपने कार्यकाल में ना तो, जमीन पर औंधे मुंह गिर चुके पार्टी संगठन को तैयार कर पाईं, ना ही पार्टी नेताओं के बहिर्गमन को रोक पाईं, जिनमें से कई नेताओं ने तो यू.पी. में उनके नेतृत्व काल में पार्टी छोड़ दी थी।

आज कांग्रेस जिस संकट का सामना कर रही है, उसका संकेत अमेठी या रायबरेली जैसी वी.वी.आई.पी. सीटों की नियति से मिलता है और इन सीटों से गाँधी परिवार की संभावित अनुपस्थिति कांग्रेस पार्टी की दुःखद स्थिति का लक्षण है।

अम्बानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

84 अरब डॉलर, शिव नाडार- 36.9 अरब डॉलर, सावित्री जिन्दल एवं परिवार- 33.5 अरब डॉलर, दिलीप सांघवी- 26.7 अरब डॉलर, सायरस पूनावाला- 21.3 अरब डॉलर, कुशल पाल सिंह- 20.9 अरब डॉलर, कुमार मंगलम बिड़ला- 19.7 अरब डॉलर, राधाकिशन दामानी- 17.6 अरब डॉलर, लक्ष्मी मित्तल- 16.4 अरब डॉलर।

पूर्व कांग्रेस सरकार में 81 विधायकों के इस्तीफे के केस में पूर्व मंत्री महेश जोशी व धारीवाल भी होंगे पक्षकार

राजस्थान हाई कोर्ट ने भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की याचिका पर जोशी, धारीवाल सहित 6 विधायकों को पक्षकार बनाने की स्वीकृति दे दी

जयपुर, 3 अप्रैल (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में तत्कालीन 81 विधायकों द्वारा इस्तीफा देने से जुड़े मामले में मंत्री शांति धारीवाल व महेश जोशी सहित रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढा को पक्षकार बनाने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया है। चीफ जस्टिस (सी.जे.) एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र सिंह राठौड़ की जनहित याचिका में शांति धारीवाल सहित अन्य को पक्षकार बनाने के लिए पेश प्रार्थना पत्र पर दिए। अदालत ने मामले की अंतिम बहस अगस्त माह में तय की है। इन छह तत्कालीन विधायकों ने अपने व 75 अन्य विधायकों के इस्तीफे 25 सितंबर, 2022 को स्पीकर को सौंपे थे।

अधिवक्ता हेमंत नाहटा ने बताया कि, याचिकार्ता राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने शांति धारीवाल सहित अन्य को इस मामले में पक्षकार बनाने के लिए यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया है, ताकि पता चल सके कि, कांग्रेस के 81 विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे। दरअसल इस मामले में पिछली सुनवाई पर मौजूदा स्पीकर का जवाब आया था। जिसमें कहा गया था कि, विधायकों ने अपना इस्तीफा वापस लेने वाले प्रार्थना पत्रों में कहा था कि, उन्होंने इस्तीफे स्वैच्छिक तौर पर नहीं दिए गए थे और कई ने कहा था कि, उन्होंने अपने इस्तीफे व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर नहीं दिए थे। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया था कि, इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाएं। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

- **जोशी और धारीवाल के अलावा पक्षकार बनाए जाने वाले चार अन्य विधायक हैं, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, राम लाल जाट और संयम लोढ़ा।**
- **राठौड़ के अधिवक्ता ने कहा, यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया गया, ताकि, पता चल सके कि, 81 विधायकों ने किस दबाव में इस्तीफा दिया था।**

चंदे से भव्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति के नाम पर फण्ड्स एकत्रित किए गए हैं। वर्तमान में संगठन का संचालन उदासीन आश्रम से हो रहा है। आर.एस.एस. के एक पदाधिकारी ने दावा किया कि केवल चेक के माध्यम से ही डोनेशन लिए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आर.एस.एस. और उसके सहयोगी संगठन अन्ततः इन मल्टी टावर दफ्तरों में ही शिफ्ट होंगी। उन्होंने बताया कि नागपुर संघ का मुख्य मुख्यालय बना रहेगा, लेकिन साथ ही इस नए मुख्यालय की भी प्रमुखता रहेगी क्योंकि कई महत्वपूर्ण निर्णय देश की राजधानी में ही लिए जाते हैं। यदि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत भाजपा के साथ बेहतर समन्वय को लेकर अपना ऑफिस दिल्ली शिफ्ट कर लें तो, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

संजय निरूपम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध करता हूँ। उस समय निरूपम ने घोषणा की थी कि वह पार्टी का शिव सेना यू.बी.टी. के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था पर पुर्नविचार करने का एक सप्ताह तक इंतजार करेंगे और फिर अपने निर्णय की घोषणा करेंगे। निरूपम ने कहा था, मेरे लिए सारे विकल्प खुले हैं। शिव सेना यू.बी.टी. के महाराष्ट्र की 21सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा से, महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के दो अन्य घटक दलों को बैचेन कर दिया है। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सहयोगियों को लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था को अभी अंतिम रूप देना है। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 19 अप्रेल को शुरू होकर पांच चरणों में सम्पन्न होंगे।

वैभव का प्रचार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भाषा में जवाब देने में मैं कोई लाभ नहीं देखता। हमारे राज्य और मेरे खुद के लिए यह अच्छा है। पायलट ने कहा कि, आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, जो सार्वजनिक जीवन में पद और प्रतिष्ठा के खिलाफ हों। मुझे बचपन से सिखाया गया कि, कैसी भी परिस्थिति हो, बड़ों का आदर करना चाहिए और इसका मैंने हमेशा पालन किया है।

एस.ओ.जी. ने राजस्थान पुलिस अकादमी से 11 ट्रेनी उप निरीक्षक और गिरफ्तार किए

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक और डमी कैंडिडेट मामले में एस.ओ.जी. की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 3 अप्रेल। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक और डमी कैंडिडेट मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने बुधवार को भी दो महिलाओं समेत 11 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को गिरफ्तार किया है। यह सभी 11 सब इंस्पेक्टर भी राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे थे। इसके अलावा एस.ओ.जी. ने जोधपुर से एक पुलिस कांस्टेबल अभिषेक चौधरी को भी हिरासत में लिया है। कांस्टेबल अभिषेक ने भी उप निरीक्षक परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन उसने जॉइनिंग नहीं की थी। इसी आधार पर एस.ओ.जी. ने कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। कांस्टेबल को परीक्षा से पहले पेपर प्राप्त कर लिया था। उसी के माध्यम से उसने परीक्षा पास की थी। इन सभी आरोपियों को एस.ओ.जी. गुरुवार को कोर्ट में पेश करेगी। एस.ओ.जी. 4 अन्य सब इंस्पेक्टरों से पूछताछ करने में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एस.ओ.जी. ने एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में पेपर लीक और डमी कैडिडेंट मामले में सुरेंद्र कुमार बगड़िया निवासी धौंद सीकर, दिनेश विश्नाई निवासी भगतासनी जोधपुर, मालाराम विश्नोई निवासी कल्याणपुर बाड़मेर, राकेश जाट निवासी झुंझुनूं, सुभाष विश्नोई निवासी जोधपुर, अजय विश्नोई निवासी जोधपुर, जयराज सिंह निवासी देशनोक बीकानेर, मनीष बेनीवाल निवासी नोखा बीकानेर, मंजू विश्नोई निवासी बाड़मेर, चेतन सिंह मीणा निवासी टोंक और हरखू चौधरी चौहटन बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एस.ओ.जी. ने कांस्टेबल अभिषेक विश्नोई निवासी सदर बाजार जोधपुर को भी गिरफ्तार किया गया है।

मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी से गिरफ्तार किए गए 15 प्रशिक्षणरत सब इंस्पेक्टरों से पूछताछ में भी कई खुलासे हुए हैं। बताया जा रहा है कि इन 15 उप निरीक्षकों में 5 के स्थान पर डमी कैंडिडेट्स ने परीक्षा दी थी, जबकि शेष 10 लोगों ने लीक हुए पेपर के माध्यम से परीक्षा दी थी। यही वजह है कि पूर्व में 14 ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों की गिरफ्तारी के बाद इन आरोपियों ने गुपचुप में जनरल नॉलेज की तैयारी शुरू कर दी थी।

सूत्रों की मानें तो एस.ओ.जी. के निशाने पर अभी भी करीब 200 सब इंस्पेक्टर है, जिन पर लगातार नज़र रखी जा रही है। एस.ओ.जी. को विभिन्न माध्यमों से नित नई जानकारी मिल रही है।

बताया जा रहा है कि सबसे पहले पकड़े गए 14 ट्रेनी एस.आई. से जब एस.ओ.जी. से जब एसओजी ने गिरफ्तारी के दौरान पूछताछ की तो उनका बेसिक नॉलेज 10वीं कक्षा के छात्र से भी कम था। इस पर एसओजी ने वर्ष 2021 में इन लोगों द्वारा दी गई परीक्षा दोबारा से कराने का प्लान बनाया। एस.आई. से डमी पेपर सॉल्व करवाने के बाद उन कॉपियों की एक्सपर्ट के जरिए अलग से जांच करवाई गई है। सभी कैंडिडेट की कॉपी को एस.ओ.जी. ने अपने मालखाने में जब्त कर लिया है। यह इस केस की पड़ताल का एक पक्ष है जिससे आने वाले समय में कोर्ट को अवगत कराया जाएगा। कोर्ट के सामने तथ्य रखे जाएंगे कि एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 को अच्छे नंबरों से पास करने वालों की मौजूदा स्थिति क्या है। इस से कोर्ट भी इन की मौजूदा मानसिकता के बारे में जान सकेंगे।

बताया जा रहा है कि आर.पी.ए. में प्रशिक्षण ले रहे इन15 ट्रेनी उप निरीक्षकों के बारे में भी बार-बार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद उन्होंने संदिग्ध लगने वाले ट्रेनी सब इंस्पेक्टर से पूछताछ करने का प्लान बनाया। इसके बाद मंगलवार की सुबह टीमें आरपीए पहुंची। उस दौरान ये लोग क्लास में मौजूद थे। आरपीए के किशनगढ़ सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे कुछ एस.आई. कार्रवाई के बाद से गायब हैं। हालांकि एस.ओ.जी. ने इसकी जानकारी मीडिया से साझा नहीं की है कि ये लोग सेंटर से क्यों गायब हैं। गायब रहने वाले सभी ट्रेनी एस.आई. की विशेष टीम बनाकर पड़ताल की जा रही है।

एस.ओ.जी. ने बुधवार को 25 से ज्यादा परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बनकर बैठने वाले सरकारी टीचर को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी रोशन लाल मीणा ने डमी कैंडिडेट के रूप में बैठने की बात कबूली है।

डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि दौसा निवासी सरकारी टीचर रोशन लाल मीणा साल 2017 से सरकारी टीचर है। फिलहाल सरकारी अंग्रेजी मीडियम स्कूल, प्यारीवास (दौसा) में थर्ड ग्रेड टीचर हैं। वह राज्य सरकार की 16 और भारत सरकार की 4 परीक्षा में बैठा है। सरकारी टीचर लगने से पहले से वह डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा में बैठता रहा है। राजस्थान पुलिस की आईबी यूनिट में तैनात साल 2018 बैच के एस.आई. मनीष मीणा, उसके सगे भाई दिनेश मीणा के लिए भी आरोपी ने डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी थी। दिनेश मीणा अभी एल.डी.सी. के पद पर तैनात हैं।

रोशन मीणा ने साल 2021 में भी मनीष मीणा के भाई दीपक मीणा के लिए एस.आई. भर्ती परीक्षा डमी कैंडिडेट के रूप में दी थी। दीपक मीणा लिखित परीक्षा में पास हो गया, लेकिन फिजिकल में फेल हो गया था। रोशन लाल मीणा ने पुलिस को 6 लोगों की जानकारी दी है, जिनके लिए उसने डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा दी थी। इनमें से 5 लोग मौजूदा समय में सरकारी नौकरी कर रहे हैं। मनीष मीणा के मामा महेश मीणा के लिए भी आरोपी रोशन परीक्षा में बैठा था, महेश अभी दौसा में एल.डी.सी. के पद पर तैनात है। एक और व्यक्ति है सागर मीणा, जिसके लिए आरोपी ने पटवारी भर्ती परीक्षा दी थी। रोशन मीणा अपने सगे भाई के लिए भी परीक्षा में बैठ चुका है, जो आज पटवारी है। अभी तक की जानकारी के अनुसार आरोपी 6 लोगों के लिए डमी कैंडिडेट के रूप में बैठा था, जिसमें से 5 सरकारी नौकरी में हैं। आरोपी रोशन मीणा वर्ष 2018 में एस.आई. मनीष मीणा के लिए न केवल परीक्षा में डमी कैंडिडेट के रूप में बैठा, बल्कि आर.पी.एस.सी. में इंटरव्यू में भी बैठा था। एस.ओ.जी. की इस कार्रवाई के बाद सभी आरोपी फरार हो गए हैं।

- **जोधपुर से हिरासत में लिया गया कांस्टेबल अभिषेक विश्नोई भी उपनिरीक्षक पद पर चयनित हो गया था।**
- **एस.ओ.जी. ने एक अन्य कार्रवाई करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी कैंडिडेंट बनकर बैठने वाले थर्ड ग्रेड टीचर रोशन लाल मीणा को भी गिरफ्तार किया है।**
- **बताया जा रहा है कि, एस.ओ.जी. ने जिन 15 ट्रेनी उप निरीक्षकों को मंगलवार को पकड़ा था, उनमें से 5 लोगों ने डमी अभ्यर्थी तथा शेष 10 लोगों ने पेपर लीक के माध्यम से परीक्षा दी थी।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600